



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6—सितम्बर 12, 2008 (भाद्रपद 15, 1930)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6—SEPTEMBER 12, 2008 (BHADRA 15, 1930)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय की छेड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .....	1061	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय की छेड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .....	819	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश .....	
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .....	11	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, निबन्धक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .....	6293
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं ...	1335	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस .....	513
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम .....		भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .....	
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ .....		भाग III—खण्ड-4—विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं .....	8473
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट .....		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस .....	225
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छेड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं .....		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण .....	
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छेड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं .....			

\*आंकड़े प्राप्य नहीं हुए।

## CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	1049	than the Administration of Union Territories).....	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	793	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	11	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .....	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence.....	1277	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government .....	6177
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs.....	513
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations .....	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners.....	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills.....	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies.....	8391
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).....	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .....	213
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi.....	*

\*Folios not received.

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]  
 [Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

लोक सभा साचवालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अगस्त 2008

सं. 4/1/ईडब्ल्यूसी/2008--

वर्ष 2008-2009 के लिए महिलाओं को शक्तियां प्रदान करने संबंधी समिति का गठन 16 अगस्त, 2008 से किया गया है। इस समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित संसद सदस्यों को नामनिर्दिष्ट किया गया है :-

सदस्य लोकसभा	राज्य सभा
1. श्रीमती प्रिया दत्त	21. श्री गांधी आज़ाद
2. श्रीमती तेजस्विनी सी. रमेश गोड्डा	22. श्रीमती शोभना भर्तृहरि
3. श्रीमती जयाप्रदा	23. श्रीमती हेमा मालिनी
4. श्रीमती परनीत खौर	24. श्री जबीर हुसैन
5. श्रीमती सुशीला केरकेटा	25. श्री बनवारी लाल कंछल
6. श्रीमती मनोरमा माधवराज	26. श्रीमती कनिमोझी
7. श्री टेकलाल मस्तो	27. श्रीमती बृन्दा कास्त
8. श्रीमती किरण माहेश्वरी	28. श्रीमती सईदा अनवर तैमूर
9. श्री राजेश कुमार मांझी	29. डा० सी.पी. ठाकुर
10. श्रीमती नीता पटेलिया	30. डा० प्रसा ठाकुर
11. प्रो. एम. रामदास	
12. श्रीमती के. रानी	
13. श्रीमती मिनाती सेन	
14. श्रीमती कर्पणा शुक्ला	
15. श्रीमती सी.एस. सुजाता	
16. श्रीमती जयप्रकाश बी. ठक्कर	
17. श्री पी.सी. धामस	
18. श्रीमती कृष्णा तीरथ	
19. श्री एम.पी. वीरेन्द्र कुमार	
20. श्री किञ्जसु वेरनायक	
2. श्रीमती कृष्णा तीरथ, संसद सदस्य को उक्त समिति का सम्भाषित नियुक्त किया गया है।	

सी. एस. जून  
निदेशक

### सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 अगस्त 2008

**संख्या ई-11013/3/2002-हिंदी:** इस मंत्रालय के संकल्प सं. ई-11013/3/2005-हिंदी दिनांक 05 मई, 2005 के तहत गठित तथा बाद में समसंख्यक संकल्प दिनांक 16 मई, 2006 के तहत संशोधित सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का कार्यकाल समाप्त होने के परिणामस्वरूप, भारत सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय शीर्षक के अंतर्गत कुछ संशोधन करते हुए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का कार्यकाल एक वर्ष अर्थात् 04 मई, 2009 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, यह निर्णय भी लिया गया है कि दिनांक 05 मई, 2005 तथा 16 मई, 2006 के समसंख्यक संकल्पों के अधिक्रमण में समिति के गठन का संकल्प नए सिरे से भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

### गठन

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

अध्यक्ष

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

### गैर-सरकारी सदस्य:

#### संसद सदस्य (लोक सभा)

- |     |                         |       |
|-----|-------------------------|-------|
| (1) | श्री डी.आर. नायक        | सदस्य |
| (2) | श्री जसवंत सिंह बिश्नोई | सदस्य |

#### संसद सदस्य (राज्य सभा)

- |     |                        |       |
|-----|------------------------|-------|
| (3) | श्री गिरीश कुमार सांघी | सदस्य |
| (4) | श्री कलराज मिश्र       | सदस्य |

#### संसद सदस्य (संसदीय राजभाषा समिति)

- |     |                            |       |
|-----|----------------------------|-------|
| (5) | श्री थावर चंद गेहलोत       | सदस्य |
| (6) | श्री महेन्द्र प्रसाद निषाद | सदस्य |

केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद, एक्सयाई-68, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली का प्रतिनिधि

- (7) श्री मोहन प्रकाश दुबे, सदस्य  
9/8, सेक्टर 1, पुष्प विहार,  
नई दिल्ली - 110 017.

अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, सामुदायिक केंद्र (दिल्ली नगर निगम),  
10788-89, झंडेवाला रोड, नवी करीम, नई दिल्ली-110055 का प्रतिनिधि

- (8) श्री विमूति मिश्र, सदस्य  
प्रधान मंत्री,  
हिंदी साहित्य सम्मेलन,  
12, सम्मेलन मार्ग,  
इलाहाबाद - 211000.

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य

- (9) डॉ. (श्रीमती) बागेश्री चक्रधर, सदस्य  
प्रोफेसर, शहीद भगत सिंह कालेज,  
दिल्ली ।
- (10) श्री हरेन्द्र सिंह समदर्शी, सदस्य  
यू-55-ए, शकरपुर,  
दिल्ली-110067.
- (11) श्री कृष्ण दत्त शास्त्री, सदस्य  
आर जेड-40/222, जे. ब्लॉक,  
वेस्ट सागरपुर, नई दिल्ली-110048.
- (12) डा. शंभुनाथ सिंह, सदस्य  
1329, सेक्टर 12,  
आर.के. पुरम,  
नई दिल्ली-110022.

गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य

- (13) डॉ. टी.आर. भट्ट, सदस्य  
"प्रज्ञाश्री", छठा क्रॉस, कल्याण नगर,  
धारवाड़ (कर्नाटक-580007)

- |   |       |
|---|-------|
| (14) डॉ. नजीर मुहम्मद,<br>राहतकदा, डिग्गी रोड (निकट अब्दुल्ला गर्ल्स कॉलेज),<br>अलीगढ़-202001 | सदस्य |
| (15) श्री नारायणराव शिंदे,<br>नवी शुक्रवारी, दसरा रोड, बार्ड नं.18,<br>नागपुर-440002          | सदस्य |

**सरकारी सदस्य****राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय)**

- |                   |       |
|-------------------|-------|
| (16) सचिव         | सदस्य |
| (17) संयुक्त सचिव | सदस्य |

**सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय**

- |   |            |
|---|------------|
| (18) सचिव   | सदस्य      |
| (19) महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (रा.प्र.सर्व.सं.)        | सदस्य      |
| (20) महानिदेशक, केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन                           | सदस्य      |
| (21) अपर सचिव   | सदस्य      |
| (22) अपर महानिदेशक (राष्ट्रीय लेखा)                                 | सदस्य      |
| (23) अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण)                                      | सदस्य      |
| (24) अपर महानिदेशक (क्षेत्र संकार्य प्रभाग, नई दिल्ली)              | सदस्य      |
| (25) अपर महानिदेशक (सर्वेक्षण अभिकल्प एवं अनुसंधान प्रभाग, कोलकाता) | सदस्य      |
| (26) अपर महानिदेशक (समंक विधायन प्रभाग, कोलकाता)                    | सदस्य      |
| (27) अपर महानिदेशक (औद्योगिक सांख्यिकी रकंध, कोलकाता)               | सदस्य      |
| (28) उप महानिदेशक (संगणक केन्द्र, नई दिल्ली)                        | सदस्य      |
| (29) उप महानिदेशक (राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग)                       | सदस्य      |
| (30) निदेशक (भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता)                     | सदस्य      |
| (31) निदेशक (रा.प्र.सं.सं.)   | सदस्य      |
| (32) निदेशक (प्रशासन)   | सदस्य      |
| (33) निदेशक (वित्त)   | सदस्य      |
| (34) संयुक्त सलाहकार (आ.सं.एवं प.प्र.)                              | सदस्य      |
| (35) उप निदेशक (रा.भा.)   | सदस्य      |
| (36) संयुक्त सचिव (प्रशासन)   | सदस्य-सचिव |

**कार्यक्षेत्र**

2. समिति का कार्य केंद्रीय हिंदी समिति और राजभाषा विभाग द्वारा सरकारी कामकाज के लिए हिंदी के प्रयोग के संबंध में निर्धारित नीतियों को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में कार्यान्वित करवाने के बारे में सलाह देना होगा।

कार्यकाल

3. समिति का बढ़ाया गया कार्यकाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन एक वर्ष अर्थात् 04 मई, 2009 तक होगा:-

- (क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।
- (ख) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक ही समिति के सदस्य रहेंगे।
- (ग) किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण खाली हुए स्थान पर मनोनीत सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा।

मुख्यालय

4. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

यात्रा भत्ता तथा अन्य भत्ते

5. गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए, यात्रा तथा दैनिक भत्ता भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित दरों पर तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 22 जनवरी, 1987 को जारी किए गए कार्यालय ज्ञापन संख्या II/20034/4/86-रा.भा. (क-2) में निहित निर्देशों के अनुसार दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों, राष्ट्रपति सचिवालय, उपराष्ट्रपति सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केंद्रीय राजस्व और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अरविंद कुमार  
संयुक्त सचिव

## इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली-110107, दिनांक 1 अगस्त 2008

संख्या: 14(1)/2007 - टीडब्ल्यू (खंड-I)। इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार वर्ष 2006-07 के निष्पादन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री ट्रॉफी और इस्पात मंत्री ट्रॉफी प्रदान करने हेतु भारत में एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायकों का एक पैनल एतद्वारा गठित करती है।

निर्णायकों के पैनल में निम्नलिखित शामिल होंगे:-

1.	श्री प्रमोद कुमार रस्तोगी सचिव, भारत सरकार इस्पात मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
2.	श्री जगदीश खट्टर, पूर्व प्रबंध निदेशक, मारुति उद्योग लिमिटेड, नई दिल्ली।	सदस्य
3.	डी.आर. आहूजा, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., सी-22ए, सुशान्त लोक-I, गुडगांव-122022 हरियाणा	सदस्य
4.	श्री ए. के. लाहिड़ी, (सेवा निवृत्त), धातुकर्म विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, फ्लैट नं. 208, प्रणव कॉम्प्लेक्स, नं. 5वां क्रॉस, माल्लेश्वरम, बैंगलूर।	सदस्य
5.	श्री के.ए.पी. सिंह, पूर्व-प्रबंध निदेशक, बोकारो इस्पात संयंत्र,	सदस्य



	ए-102, लोखंडवाला रेजीडेंसी टॉवर, एल. आर. पपन मार्ग, ई मोसेस रोड के सामने, वर्ली, मुम्बई-400018	
6.	श्री एस.एन. मिश्रा, पूर्व निदेशक (परियोजना), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, 571, शाकुंतलम का-आपरेटिव सोसायटी, प्लॉट नं. 16, सेक्टर-10, द्वारिका, नई दिल्ली-110075	सदस्य
7.	श्री अनिल अग्रवाल, विस्तीय विशेषज्ञ एवं स्वतंत्र निदेशक मेकॉन, बी-139, कालकाजी, नई दिल्ली-110019	सदस्य
8.	श्री संजय चंद्र, प्रबंध निदेशक, यूनीटेक लि. यूनिटेक सिग्नेचर टॉवर्स, जीएफ, साउथ सिटी-1, एनएच-8, गुडगांव-122002	सदस्य
9.	श्री प्रद्युम्न जाजोदिया, कार्यपालक निदेशक, वार्डन ग्रुप ऑफ कंपनीज, वार्डन हाउस, 340 जे जे रोड, मुम्बई-400008	सदस्य
10.	श्री रामयश सिंह, अध्यक्ष, इटक हरिद्वार एंड जनरल सोसायटम्, इंडियन नेशनल शुगर मिल्स वर्कर्स एसोसिएशन, 163/III/1, भेल, रानीपुर, हरिद्वार-249403 उत्तरांचल	सदस्य
11.	श्री यू.पी. सिंह, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।	सदस्य - सचिव

2.0 निर्णायकों के पैनल के विद्यारथ विषय निम्नानुसार हैं:-

2.1 विशुद्ध लौह इकाई के रूप में प्रचालन शुरू करने वाले भारत के समस्त ऐसे एकीकृत इस्पात संयंत्रों जिसकी एक ही स्थान पर अपरिष्कृत इस्पात उत्पादन की वार्षिक क्षमता न्यूनतम 10 लाख टन हो और जिन्होंने अपने वाणिज्यिक उत्पादन का कम से कम दो वर्ष का समय पूरा कर लिया हो, के वर्ष 2006-07 के निष्पादन का मूल्यांकन करना। ये संयंत्र या तो इस्पात तैयार करने में कोक ओवन धमन भट्टी-ढलाई तथा बेलन और परिसज्जित मिल अथवा इस्पात तैयार करने में प्रत्यक्ष अपचयित लोहा (डी आर आई)/तप्त ब्रिक्वेटिंग लोहा (एच बी आई) (धमन भट्टी सहित अथवा इसके बगैर), - विद्युत चाप भट्टी (ई ए एफ) इस्पात निर्माण-ढलाई तथा रोलिंग एवं परिसज्जित मिल ढलाई तथा बेलन और परिसज्जित मिल अथवा कोरेक्स भट्टी (धमन भट्टी सहित अथवा इसके बगैर)- बेसिक आक्सीजन फर्नेश (बी ओ एफ) इस्पात निर्माण - कास्टिंग तथा रोलिंग मिल और फिनिशिंग मिल प्रक्रिया के जरिए प्रचालित किए जा सकते हों।

2.2 यह मूल्यांकन इस संकल्प के साथ लगी पूर्व-निर्धारित योजना (समय-समय पर संशोधित) की शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

2.3 तथापि, निर्णायकों का पैनल इस योजना के संबंध में विभिन्न इस्पात संयंत्रों से अथवा पूर्व वर्षों के निर्णायकों के पैनल द्वारा समय-समय पर दिए सुझावों जिन्हें वह उपयुक्त समझे, को भी ध्यान में रख सकता है।

2.2 निर्णायकों का पैनल वर्ष 2006-07 के दौरान सर्वोत्तम निष्पादन के लिए दो इस्पात संयंत्रों का चयन व सिफारिश करेगा, एक संयंत्र को प्रधान मंत्री ट्रॉफी और उसके साथ दो करोड़ रुपये के पुरस्कार के लिए और दूसरे संयंत्र को रनर-अप प्रधान मंत्री पुरस्कार के रूप में इस्पात मंत्री ट्रॉफी और उसके साथ एक करोड़ रुपये के लिए।

### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी संबंधितों को भेज दी जाए और सर्वसाधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

उदय प्रताप सिंह  
संयुक्त सचिव

**अनुलग्नक-1****एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री ट्रॉफी प्रदान करने के लिए योजना (जुलाई, 2008 तक यथार्सरोधित)****1.0 शुरुआत**

पूर्व प्रधानमंत्री, श्री पी.वी. नरसिम्हा राव द्वारा 01 अगस्त, 1992 को राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के विशाखापट्टणम इस्पात संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित करते समय की गई घोषणा के फलस्वरूप सरकार ने सर्वोत्तम निष्पादन करने की प्रतियोगिता की भावना जागृत करने के लिए तथा देश में एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन में सुधार करने के लिए सरकार ने प्रत्येक वर्ष 'प्रधान मंत्री ट्रॉफी' नामक एक पुरस्कार तथा उसके साथ एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र प्रदान करने का निर्णय लिया।

1.1 भारत सरकार ने मूल्यांकन वर्ष 2006-07 से सर्वोत्तम निष्पादन करने वाले एकीकृत इस्पात संयंत्र के मामले में नकद पुरस्कार राशि 1.0 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2.0 करोड़ रुपये कर दी है जो श्री इस्पात संयंत्र लगातार 2 वर्ष तक प्रधान मंत्री ट्रॉफी जीतेगा, उसे तीसरे वर्ष में पुरस्कार नहीं दिया जाएगा। पुरस्कार अगले सर्वश्रेष्ठ इस्पात संयंत्र को दे दिया जाएगा तथा अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले सर्वश्रेष्ठ इस्पात संयंत्र को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

1.2 प्रधान मंत्री ट्रॉफी योजना में मूल्यांकन वर्ष 2006-07 से एक करोड़ रुपये नकद पुरस्कार के साथ इस्पात मंत्री ट्रॉफी नाम से रनर अप प्रधान मंत्री ट्रॉफी शामिल की गई है। इस्पात मंत्री ट्रॉफी तथा एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार समग्र निष्पादन में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले इस्पात संयंत्र को दिया जाएगा। उपर्युक्त पैरा 1.1 के अनुसार दूसरे सर्वश्रेष्ठ इस्पात संयंत्र द्वारा प्रधान मंत्री ट्रॉफी तथा दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त करने की स्थिति में इस्पात मंत्री ट्रॉफी तथा एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार तीसरे सर्वश्रेष्ठ इस्पात संयंत्र को दिया जाएगा।

**2.0 उद्देश्य**

एकीकृत इस्पात संयंत्रों के लिए पुरस्कार शुरू करने का उद्देश्य राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र, जिसका पूंजी के राष्ट्रीय संसाधनों और कुशल जनशक्ति से गहरा संबंध है, में उत्कृष्ट निष्पादन को मान्यता देना है। पुरस्कार देने का उद्देश्य प्रमुख उत्पादकों को उनके अपने प्रचालन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्षमता, गुणवत्ता तथा किफायत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है।

**3.0 पात्रता**

विशुद्ध लौह इकाई के रूप में प्रचालन शुरू करने वाले भारत के समस्त ऐसे एकीकृत इस्पात संयंत्रों जिनकी एक ही स्थान पर अपरिष्कृत इस्पात उत्पादन की वार्षिक क्षमता न्यूनतम 10 लाख टन हो और जिन्होंने अपने वाणिज्यिक उत्पादन का कम से

कम दो वर्ष का समय पूरा कर लिया हो, इस योजना में भाग लेने के पात्र हैं। ये संयंत्र या तो इस्पात तैयार करने में कोक ओवन-घमन (बीएफ)-इस्पात निर्माण और फिनिशिंग मिल अथवा प्रत्यक्ष अपचयित लोहा (डीआरआई)/तप्त ब्रिक्वेटिड लोहा (एचबीआई) (घमन भट्टी सहित अथवा इसके बगैर) - विद्युत चाप भट्टी (ई ए एफ) - इस्पात निर्माण तथा फिनिशिंग मिल अथवा कोरेक्स भट्टी (घमन भट्टी सहित अथवा इसके बगैर)- बेसिक आक्सीजन फर्नेश (बी ओ एफ) - इस्पात निर्माण और फिनिशिंग मिल प्रक्रिया के जरिए प्रचालित हो सकते हैं।

#### 4.0 योजना

4.1 योजना का ब्यौरा तथा एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए मापदंड प्रारंभ में इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार किया गया था। इस मापदंड तथा बेंचमार्किंग का प्रधान मंत्री ट्राफी के निर्णायकों के पैनल द्वारा विभिन्न वर्षों में और समय-समय पर गठित अन्य विशेषज्ञ समितियों द्वारा और अधिक विस्तार किया गया। एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन के मूल्यांकन के मापदण्ड में अब विद्यमान कार्य परिवेश को ध्यान में रखा जाता है।

4.2 विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों तथा भारत सरकार द्वारा किए गए संशोधनों के अनुसार, एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए 12 प्रमुख प्राचल तैयार किए गए हैं। ये नीचे दिए गए हैं:-

- विक्रेय इस्पात क्षमता उपयोगिता
- प्रचालन की कार्यकुशलता
- वित्तीय निष्पादन
- निर्यात निष्पादन
- उत्पादों की गुणवत्ता
- ग्राहक तुष्टिकरण
- पर्यावरण प्रबंधन
- निम्नलिखित सामाजिक उत्तरदायित्व
- सुरक्षा
- आर एंड डी पर जोर
- समर्थ प्राचल
- निर्णायकों के पैनल द्वारा की गई संयंत्रों के दौरों के आधार पर निष्पादन रिपोर्ट

4.3 पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन निर्णायकों के पैनल, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, द्वारा किया जाएगा:

1.	सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	लोहा तथा इस्पात उद्योग के विशेषज्ञ	सदस्य
3.	ग्राहकों के प्रतिनिधि	सदस्य
4.	प्रबंधन विशेषज्ञ	सदस्य
5.	अर्थशास्त्री	सदस्य
6.	संयुक्त सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय	सदस्य-सचिव

4.3.1 सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के पूर्व अध्यक्षों, अभियांत्रिकी इकाइयों, भारतीय प्रबंधन संस्थान और अन्य प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अर्थशास्त्रियों आदि में से निर्णायकों के पैनल में और अधिक सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए।

4.3.2 निर्णायकों के पैनल में मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के एक नामिती को भी सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा जिसकी नियुक्ति निर्धारित सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रधान मंत्री ट्राफी प्रभारी इस्पात मंत्री द्वारा की जाएगी।

4.4 ग्राहक तुष्टिकरण सर्वेक्षण तथा समर्थ प्राचलों का मूल्यांकन स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसियों तथा प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्त्ताओं द्वारा किया जाएगा।

4.5 ग्राहक तुष्टिकरण सर्वेक्षण निर्णायकों के पैनल के दौरों के समय किया जाएगा तथा संयंत्र का दौरा किए जाने से पूर्व निर्णायकों के पैनल को सार्थक प्राचलों का मूल्यांकन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

4.6 सार्थक प्राचलों का अध्ययन करने वाली एजेंसी प्रत्येक मापदण्ड के संबंध में एक मूल्यांकन कमेटी और सार्थक प्राचलों के लिए अंक (20 में से) देने हेतु निर्णायकों के पैनल को व्यावसायिक सहायता प्रदान करेगी।

4.7 स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का निगमित गुणवत्ता प्रभाग प्रधान मंत्री ट्राफी सचिवालय (इस्पात मंत्रालय) के रूप में कार्य करेगा तथा निर्णायकों के पैनल को सचिवालयी सेवाएं तथा सामान्य सहायता उपलब्ध कराएगा। इस योजना के तहत भाग लेने वाले इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधि भी सचिवालय को सहयोग प्रदान करेंगे। मूल्यांकन की प्रक्रिया में सचिवालय द्वारा किए गए खर्चों को भाग लेने वाले इस्पात संयंत्रों द्वारा अपने निर्धारित अपरिष्कृत इस्पात उत्पादन क्षमता के अनुपात में बांटना होगा। निर्णायकों के पैनल द्वारा संयंत्रों के दौरों पर किए गए समूचे खर्चों को संबंधित संयंत्रों द्वारा वहन किया जाएगा। तथापि, निर्णायकों के पैनल द्वारा दिल्ली दौरे के

दौरान किए गए खर्च को सचिवालय द्वारा वहन किया जाएगा ।

- 4.8 सचिवालय के कार्य का समन्वय सदस्य-सचिव के माध्यम से निर्णायकों के पैनल के माध्यम से किया जाएगा । यह इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करेगा तथा भाग लेने वाले संयंत्रों से जानकारी एकत्रित करने के लिए एक प्रपत्र तैयार करेगा । सचिवालय, सदस्य-सचिव के परामर्श से निर्णायकों के पैनल को प्रस्तुत की जाने वाली सम्पूर्ण आधारभूत जानकारी को निर्धारित प्रपत्र में तैयार करेगा तथा उसका सारांश देगा । यह निर्णायकों के पैनल को सामान्य सहायता भी उपलब्ध कराएगा तथा संबंधित संयंत्र के साथ समन्वय करके पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित करेगा ।
- 4.9 जब तक भारत सरकार अन्यथा कोई निर्णय न ले, पुरस्कार वितरण समारोह स्थल वर्ष विशेष के लिए पुरस्कार जीतने वाला संयंत्र स्थल होगा ।
- 4.10 पुरस्कार वार्षिक है, लेकिन 60% की न्यूनतम सीमा की सिफारिश की गई है । यदि कोई भी संयंत्र किसी वर्ष विशेष में न्यूनतम सीमा से अधिक अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, तो उस वर्ष यह पुरस्कार नहीं दिया जाएगा ।

## 5.0 मूल्यांकन के लिए प्राचल

महत्व (%)

### 5.1 विक्रेय इस्पात क्षमता उपयोगिता (उप-योग 2)

2

संयंत्र विशेष के निष्पादन का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से विक्रेय इस्पात की निर्धारित क्षमता को अपनाया जाएगा । क्षमता विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर), जहां डी पी आर परामर्शदाताओं द्वारा बनाई गई है, के अनुसार ली जाएगी । डी पी आर नहीं प्राप्त होने की स्थिति में परियोजना के वित्तीय मूल्यांकन के समय अथवा परियोजना के बंद होने के समय परिकल्पित उत्पादन स्तर और कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित उत्पादन स्तर की क्षमता को अपनाया जाए । जहां क्षमता में वृद्धि के लिए सुविधाएं प्रगामी रूप से चालू की जा रही हैं और वर्ष के दौरान पूर्ण डी पी आर क्षमता उपलब्ध नहीं है तो वर्ष के दौरान उपलब्ध क्षमता की गणना सगर्भता अवधि को अंक दिए बगैर की जाएगी तथा गणना के आधार को अलग से दर्शाया जाएगा । पूंजीगत न की गई परिसंपत्तियों से उत्पादन लाभ को अलग रखा जाएगा, वित्तीय जानकारी के साथ संगतता बनाई रखी जाएगी । यदि कतिपय सुविधाओं को स्थायी आधार पर अलग कर दिया गया है, तो उसे डी पी आर क्षमता में से निकाल दिया जाएगा और उसका ब्यौरा दिया जाएगा ।

यदि अर्धपरिसज्जित उत्पाद डीपीआर/बोर्ड के अनुमोदन में उल्लिखित ब्यौरे से अधिक होगा तो उसे समुचित रूप से समायोजित किया जाएगा

## 5.2 प्रचालन की कार्यकुशलता (उप-योग 16)

- (i) धमन भट्टी में कार्बन दर अथवा कोरेक्स भट्टी (तप्त धातु कि.ग्रा/टी), 2

डी आर आई अथवा एच बी आई की हीट इनपुट (जी कैल/टी)

- (क) धमन भट्टी में कार्बन की दर निम्नानुसार आंकी जाएगी :-

धमन भट्टी कोयले के औसत निर्धारित कार्बन प्रभाजन को धमन भट्टी में वास्तविक स्किप कोक चार्ज्ड के साथ गुणा करके कार्बन दर प्राप्त की जाती है। निर्धारित कार्बन को "100-शुल्क आधार पर कोयले में राखाश के रूप में परिभाषित किया गया है।

सिंटर के साथ धमन भट्टियों में प्रसारित नट कोक को धमन भट्टी कोक के साथ 100 प्रतिशत प्रतिस्थापन अनुपात समझा जाना चाहिए।

आक्जलरी ईंधन जैसे कोल डस्ट, कोल टार आदि के लिए कार्बन दर की गणना निम्नानुसार की जाए:-

समतुल्य कोक दर = आक्जलरी ईंधन/टी. तप्त धातु X रिप्लेसमेंट अनुपात,

कार्बन दर (आक्जलरी ईंधन) = समतुल्य कोक दर X धमन भट्टी कोयले की औसत निर्धारित कार्बन।

धमन भट्टियों में कार्बन दर के लिए बेंचमार्क: 450 कि.ग्रा./टन

- (ख) कोरेक्स भट्टी में कार्बन दर निम्नलिखित रूप से आंकी जा सकती है:-

कोरेक्स भट्टी में कार्बन दर = कोरेक्स भट्टी में कुल कोयला दर X नान-कोकिंग कोल में औसत निर्धारित कार्बन प्रभाजन। नान-कोकिंग कोल में औसत निर्धारित कार्बन को 100-शुल्क आधार पर अकोककर कोयले में राखाश के रूप में परिभाषित किया गया है। अतः समतुल्य कोयला दर = रिडक्शन साफ्ट में कोक खपत तप्त धातु का प्रति टन X रिप्लेसमेंट अनुपात।

कोरेक्स भट्टियों में कार्बन दर के लिए बेंचमार्क : 575 कि.ग्रा./टन

- (ग) एच बी आई/डी आर आई संयंत्रों के लिए ईंधन दर के लिए बेंचमार्क : 2.5 जी कैल/टन

## (ii) धमन भट्टी, कोरेक्स भट्टी

एच बी आई अथवा डी आर आई भट्टी उत्पादकता (टी/एम<sup>3</sup>/प्रतिदिन)

3

- (क) बी एफ, एच बी आई अथवा डी आर आई भट्टी उत्पादकता का मूल्यांकन प्रति दिन उपलब्ध भट्टी के कार्यचालन मात्रा की प्रति घन मीटर तप्त धातु, एच बी आई अथवा डी आर आई उत्पादन के रूप में की जाती है। धमन भट्टी के लिए कार्यचालन मात्रा को खुली स्थिति में सामान्य स्टाक लाइन/बिग बैल तथा टॉयर के मध्य लाइन के बीच निहित भट्टी की मात्रा के रूप में परिभाषित किया जाता है। उपलब्ध दिनों की गणना कैलेंडर दिनों का अंतर तथा पूंजीगत मरम्मत की अवधि के रूप में परिभाषित की जाती है। तथापि, सामान्य मरम्मत समय को पूंजीगत मरम्मत समय में न जोड़ा जाए।

धमन भट्टी उत्पादकता के लिए बेंचमार्क : 2.39 टी/एम<sup>3</sup> उपलब्ध दिवसएच बी आई/डी आर आई भट्टी उत्पादकता के लिए बेंचमार्क : 9 टी/एम<sup>3</sup> उपलब्ध दिवस

## (ख) कोरेक्स भट्टी उत्पादकता

कोरेक्स भट्टी उत्पादकता का मूल्यांकन वार्षिक औसत आधार पर प्रति घंटे उत्पादित तप्त धातु के टन के रूप में किया जाता है। अर्थात् कोरेक्स भट्टी उत्पादकता = वार्षिक उत्पादन (टन में) ÷ वार्षिक प्रचालन घंटे। वार्षिक प्रचालन घंटों का अनुमान कैलेंडर घंटों तथा पूंजीगत मरम्मत की अवधि के अंतर कोरेक्स-बीओएफ इकाइयों के वास्तविक रूप से बंद दिन प्रति वर्ष 12 दिन से अधिक न हो, के रूप में लगाया जाता है। तथापि, सामान्य अनुरक्षण के समय को पूंजीगत मरम्मत समय में न जोड़ा जाए।

कोरेक्स भट्टी उत्पादकता के लिए बेंचमार्क : 100 टी/एम<sup>3</sup> उपलब्ध दिवस

## (iii) इस्पात भट्टी (बीओएफ/ईएएफ) उत्पादकता (बने हीट्स की संख्या/उपलब्ध कन्वर्टर/वर्ष)-2

किए गए तापों की संख्या/उपलब्ध कन्वर्टर/वर्ष = एक वर्ष में कुल तापों की संख्या/स्थापित कन्वर्टरों की संख्या ÷ कन्वर्टर उपलब्धता।

तापों की संख्या = एक वित्तीय वर्ष में बीओएफ/ईएएफ से टैप्ड तापों की संख्या।

कन्वर्टर उपलब्धता = कैलेंडर घंटे - मरम्मत हेतु नियोजित कार्य बंदी-टेप होल मेकिंग व लेंस चेंजिंग - अनुरक्षण विलंब।

## (iv) समग्र विशिष्ट ऊर्जा खपत

6



समग्र विशिष्ट ऊर्जा खपत (अपरिष्कृत इस्पात का जी कैल/टी) की गणना आई आई एस आई पद्धति के आधार पर की जानी चाहिए।

तीन विभिन्न रूटों के आधार पर इस्पात संयंत्रों के लिए मूल्यांकन का पैमाना अर्थात् एच बी आई अथवा डी आर आई तथा ई ए एफ रूट, कोरेक्स - बी ओ एफ रूट; बी एफ - बी ओ एफ रूट एक दूसरे से अलग होंगे।

विशिष्ट ऊर्जा खपत के लिए बेंचमार्क निम्नलिखित के लिए प्रति टन अपरिष्कृत इस्पात होगी:

- क) बी एफ-बी ओ एफ रूट और कोरेक्स-बीओएफ रूट आधारित संयंत्र : 5.92 जी . कैल/टी सी एस। तथा
- ख) एच बी आई/डी आर आई-ई ए एफ आधारित संयंत्र : 5.0 जी . कैल/टी सी एस।
- (v) **श्रम उत्पादकता** 3

श्रम उत्पादकता की गणना प्रति व्यक्ति वर्ष अपरिष्कृत इस्पात उत्पादन के रूप में की जाए। बिक्री के लिए उत्पादित कच्चा लोहा, एच बी आई अथवा डी आर आई को 50% के समतुल्य घटक के साथ महत्ता दी जाए तथा श्रमशक्ति की गणना कार्य बल के आधार पर की जाएगी। कार्य श्रमशक्ति की गणना कारखाना इतर विभागों जैसे प्रशासन, विपणन, वित्त, टाउनशिप, निर्माण इकाइयों, खानों आदि को छोड़ने के पश्चात की जाए लेकिन उत्पादन सेवाएं जैसे रूपांकन, इंजीनियरिंग शाप्स आदि को शामिल किया जाए। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान विभाग, निजी इंजीनियरिंगशाला, रिक्रैटरीज संयंत्र आदि जैसे इस्पात संयंत्रों की केन्द्रीयकृत इकाइयों की श्रमशक्ति, जो उत्पादन कार्य में प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित नहीं होती, को श्रम उत्पादकता से अलग रखा जाए।

तीन विभिन्न रूटों के आधार पर इस्पात संयंत्रों के लिए मूल्यांकन का पैमाना अर्थात् एच बी आई अथवा डी आर आई तथा ई ए एफ रूट, कोरेक्स - बी ओ एफ रूट; बी एफ - बी ओ एफ रूट एक दूसरे से अलग होंगे।

यदि किसी इस्पात संयंत्र में सामान्य प्रचालन तथा मरम्मत कार्य बाह्य ठेकेदारों से कराया गया है तो निर्णायकों का पैनल ऐसे श्रम मूल्यांकन के लिए आदान सुचना प्राप्त कर उसे संयंत्र द्वारा सूचित की गई नियमित श्रमशक्ति में जोड़ेगा।

### 5.3 वित्तीय निष्पादन

आंकड़ों का अंकेक्षण कराया जाए तथा उनका सत्यापन और जो प्रकाशित लेखाओं के साथ संगत हो, का, उस पेशागत सनदी लेखाकार से कराया जाए जो कंपनी का कर्मचारी न हो।

#### (i) सकल मार्जिन/कारोबार अनुपात

4

सकल मार्जिन को ब्याज तथा मूल्यह्रास पूर्व लाभ के रूप में परिभाषित किया जाता है। लोहा और इस्पात उत्पादों की कुल बिक्री को दर्शाया जाए जिसमें लोहा तथा इस्पात उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया से उत्पन्न उपोत्पाद भी शामिल हों। तथापि, उत्पादों की बिक्री जैसे सी ए एन, फैरो एलायज, कच्चा माल, बियरिंग्स, एग्रिको उत्पाद आदि को शामिल नहीं किया जाएगा। इसमें संयंत्र द्वारा निर्मित न किए गए उत्पादों की बिक्री से हुई बिक्री आय को भी अलग रखा जाए।

सकल मार्जिन केवल उपर्युक्त उल्लिखित लोहा तथा इस्पात उत्पादों के रूप में ही संबंधित है। निवेशों पर ब्याज/लाभान्श से आय पर विचार न किया जाए। कंपनी के भीतर अंतर संयंत्र अंतरण तथा आंतरिक खपत पर भी विचार न किया जाए। न लाभ/न हानि की नीति पर विचार न किया जाए।

\* तथापि लोहा तथा इस्पात के सामान्य निर्माताओं से कच्चा माल तथा अन्य उद्भूतों को शामिल किया जाएगा।

#### (ii) सकल मार्जिन/ लगाई गई औसत पूंजी

2

सकल मार्जिन वही है जैसा उपर्युक्त मद (i) में उल्लिखित है, लगाई गई औसत पूंजी में केवल निवल स्थायी परिसंपत्तियों और कार्यशील पूंजी को ही शामिल किया जाए।

#### (iii) कारोबार/मालसूची अनुपात

2

कारोबार वही है जैसा उपर्युक्त मद (i) में उल्लिखित है। मालसूची में औसत परिसज्जित तथा अर्ध-परिसज्जित भंडार को भी शामिल किया जाए और अन्य सामग्रियों की मालसूची जैसे कच्चा माल, भंडार तथा कलपुर्जा आदि को भी शामिल किया जाए। इसमें विविध देनदारों की राशि को भी शामिल किया जाए।

#### (iv) ग्रेस ब्लॉक की तुलना में पूंजीकृत व्यय =

1

## 5.4 निर्यात निष्पादन (उप-योग 2)

## (i) निर्यात मूल्य अनुपात

2

अर्जित विदेशी मुद्रा तथा कुल कारोबार के अनुपात के रूप में परिभाषित। विदेशी मुद्रा प्राप्ति एफओबी आधार पर दी जाए। कारोबार को उसी तरह परिभाषित किया जाए जैसा वित्तीय निष्पादन के तहत किया गया है।

## 5.5 उत्पादों की गुणवत्ता (उप-योग 4)

## (i) विशेष ग्रेडों का उत्पादन

2

विशिष्ट श्रेणी में विक्रेय इस्पात उत्पादन प्रतिशतता के रूप में मूल्यांकित किया जाए। विशेष श्रेणी के तहत केवल निम्नलिखित इस्पात श्रेणियों पर विचार किया जाएगा :

- (क) 0.04% से कम और 0.4% से अधिक कार्बनयुक्त इस्पात श्रेणियां
- (ख) वी ए डी, वी ओ डी, आर एच अथवा आर एच ओ बी जैसी गौण परिशोधन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उत्पादित किया गया इस्पात :
- (ग) न्यून एच, ओ, एन और एस आई युक्त इस्पात श्रेणियां
- (घ) इस्पात को अधिक सुदृढ़ और विसर्पणरोधी अथवा जंगरोधी बनाने के लिए सी आर, एम ओ, एन आई जैसे वर्धित मिश्र ।
- (ङ) कठोर प्रावस्था (बेनाइट/मार्टेनसाइट) युक्त प्रावस्था रूपान्तरित श्रेणियां
- (च) अंतरालीयुक्त इस्पात
- (छ) 0.4 एम एम से कम मोटाई का थिनर गेज कोल्ड रोल्ड इस्पात
- (ज) समान श्रेणी के उत्पाद की तुलना में 20% से अधिक से मूल्य वाली इस्पात की कोई अन्य श्रेणी ।

## (ii) नए विकसित उत्पाद

2

विक्रेय इस्पात उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में नए उत्पादों के टनेज के रूप में मूल्यांकन किया जाएगा। संयंत्र में पहली बार उत्पादित उत्पादों का नए उत्पादों के रूप में विचार किया जाए। नए उत्पादों के संबंध में विकासात्मक प्रयासों तथा

विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन करने वाली टिप्पणी भी हो। इस पर निर्णायकों का पैनल अपना अन्तिम निर्णय लेगा।

## 5.6 ग्राहक संतुष्टिकरण (उप योग 15)

### (i) बाजार तथा ग्राहक संतुष्टिकरण के लिए उत्तरदायी प्रक्रिया (निर्णायकों के पैनल का मूल्यांकन)

5

बाजार तथा ग्राहक संतुष्टिकरण के लिए उत्तरदायी प्रक्रिया का मूल्यांकन निर्णायकों के पैनल द्वारा निम्नलिखित प्रश्नोत्तरों के आधार पर किया जाए:-

- संयंत्र ग्राहक समूह और/अथवा बाजार खंड का निर्धारण कैसे करता है ?
- संयंत्र ग्राहक समूह अथवा बाजार खंड की आवश्यकताओं का निर्धारण कैसे करता है ?
- विद्यमान/संभाव्य ग्राहकों से सूचना तथा ग्राहक आवश्यकता निर्धारण में शिकायतों का प्रयोग कैसे किया जाता है ?
- संयंत्र ग्राहक आवश्यकताओं को नए उत्पाद तथा/अथवा सेवाओं के रूप में, कैसे पूरा करता है ?
- विभिन्न ग्राहक समूहों से सुनने तथा अपनाने में अपनी प्रक्रिया का कैसे मूल्यांकन और सुधार करता है ?
- संयंत्र ग्राहकों द्वारा अपेक्षित सहायता तथा मौखिक शिकायतें कैसे सुलभ करता है ?
- संयंत्र ग्राहकों से तत्काल तथा कार्रवाई योग्य फीड बैक कैसे प्राप्त करता है ?
- संयंत्र ग्राहकों के साथ संबंध तथा सकारात्मक वफादारी दृष्टिकोण कैसे बनाता है ?

### (ii) ग्राहक संतुष्टिकरण सर्वेक्षण (एक स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा)

10

एक स्वतंत्र बाजार अनुसंधान एजेंसी द्वारा विभिन्न संयंत्रों के ग्राहकों का सर्वेक्षण कराया जाएगा जिसमें निम्नलिखित घटक शामिल होंगे जैसे मूल्य, समयबद्ध सुपुर्दगी, तकनीकी विशेषताएं, सामग्री की उपलब्धता, वाणिज्यिक शर्तें, स्टॉकवार्ड सुविधाएं, बिलिंग तथा लेखा प्रक्रिया, कर्मिकों का व्यवहार, ग्राहक शिकायतों पर सुनवाई, बिक्री पश्चात सेवा, पूर्व-बिक्री संविदा, पैकेजिंग आदि। निर्णायकों के पैनल के साथ विचार-विमर्श में इन घटकों की महत्ता निर्धारित की जाए।

**5.7 पर्यावरण प्रबंधन**

- (i) वायु प्रदूषण 1
- निलंबित धूल कणों पर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों को पूरा करने में चिमचियों की प्रतिशतता के रूप में मूल्यांकन किया जाएगा।
- (ii) जल प्रदूषण 1
- अपरिष्कृत इस्पात के प्रति टन विशिष्ट प्रदूषण दबाव के रूप में मूल्यांकित किया जाए।
- (iii) ठोस अपशिष्ट उपयोगिता 3
- ठोस अपशिष्ट उपयोगिता/पुनः उपयोग/विक्री की प्रतिशतता के रूप में मूल्यांकित किया जाए।
- (iv) जल खपत 2
- कारखाने में अपरिष्कृत इस्पात के प्रति टन उपयोग किए गए जल की खपत।

**5.8 निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (उप योग-4)**

वितरण योग्य लाभ के प्रतिशत के रूप में सीएसआर पर व्यय। 4

**5.9 सुरक्षा (उप - योग-3)**

- (i) बारंबारता दर-सूचना योग्य दुर्घटनाओं की संख्या प्रति मिलियन श्रम घंटे। 1
- (ii) बचाव दर - प्रति मिलियन श्रम घंटे श्रम दिवसों की हानि। 1
- (iii) घातक दुर्घटनाएं (संख्या) 1

**5.10 अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) पर जोर (उपयोग -3)**

- (i) कारोबार के प्रतिशत के रूप में आर एंड डी पर व्यय 2

(ii) आई पी आर की संख्या	1
<b>5.11 समर्थ प्राचल (उप योग-20)</b>	
(i) नेतृत्व	4
(ii) नीति तथा रणनीति	3
(iii) संसाधन प्रबंधन	3
(iv) जनसाधारण प्रबंधन	4
(v) प्रक्रिया प्रबंधन	6

इसका मूल्यांकन प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया जाए। मूल्यांकन के लिए व्यापक दिशा-निर्देश और उनके संबंध में अनुपूरक सूचना क्रमशः अनुलग्नक- I और अनुलग्नक- II में दिए गए हैं।

## 5.12 संयंत्रों के दौरों के आधार पर निर्णायकों के पैनल की अभ्यक्तियां 15

निर्णायकों का पैनल विशिष्ट प्राचलों तथा ऐसे अन्य प्राचलों जिसे यह आवश्यक समझे, का मूल्यांकन करने के लिए न्यूनतम दो दिनों की अवधि के लिए प्रत्येक संयंत्र का दौरा करेगा।

विभिन्न कारकों जैसे हाउस कीपिंग, पर्यावरण प्रबंधन एवं वृक्षारोपण, परिसरीय तथा अनुषंगी विकास, घातक दुर्घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रयास, औद्योगिक संबंध, उपस्करों की स्थिति, सुझाव योजनाओं तथा क्वालिटी सर्कलों जैसे लघु गुप क्रियाकलापों के जरिए प्रबंधन में कामगारों एवं पर्यवेक्षकों की भागीदारी, अनुसंधान एवं विकास प्रयास, प्रबंधन नेतृत्व और प्रेरणा तथा दक्षता, गुणवत्ता और अर्थव्यवस्था के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने के लिए इस्पात संयंत्र के प्रचालन के बारे में उनके अपने विचारों के संबंध में संयंत्र दौरों के समय उनकी अभ्यक्तियों के आधार पर।

निर्णायकों का पैनल विशेष रूप से निम्नलिखित पहलुओं को देखेगा :

- प्रत्यक्ष कार्रवाई (अर्थात् लाभ की तुलना में सीधे खर्च की गई राशि) अथवा अप्रत्यक्ष कार्रवाई (गैर सरकारी संगठनों के जरिए संवर्धन) आदि के संदर्भ में निगमित सामाजिक दायित्व के लिए इस्पात संयंत्रों द्वारा किए गए प्रयास।
- समीपवर्ती आबादी विशेष रूप से आदिवासी आबादी के विकास के लिए इस्पात संयंत्रों द्वारा किए गए प्रयास (यदि को हो)।

- iii) रूपांतरण की लागत को कम करने के लिए इस्पात संयंत्रों द्वारा किए गए प्रयास जिनसे ग्राहकों के लिए इस्पात की लागत कम होगी।

## 6.0 मूल्यांकन का पैमाना

मूल्यांकन 1 से 5 पैमाने के अनुसार लाईनर पद्धति से किया जाएगा:-

स्कोर:

- (i) न्यूनतम से नीचे और न्यूनतम तक प्राचल मूल्य के लिए (सबसे खराब मूल्य)  
= 1
- (ii) सबसे खराब मूल्य और सर्वोत्तम मूल्य के बीच प्राचल मूल्य के लिए = सीधी लाईन का उपयोग करते हुए 1 से 5 के बीच
- (iii) "सर्वोत्तम मूल्य" से ऊपर के मूल्यों के प्राचलों के लिए = पहले दशमलव तक 5 को राउंडिड ऑफ

उद्देश्यों के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक प्राचल के लिए "सर्वोत्तम मूल्य" और "सबसे खराब मूल्य" अनुलग्नक-III में दिए गए हैं।

## 7.0 पुरस्कार राशि का उपयोग

7.1 पुरस्कार जीतने वाले संयंत्र का संयंत्र प्रबंधन इस राशि का उपयोग संबंधित संयंत्र की आवश्यकताओं के अनुसार निम्नलिखित क्षेत्रों में श्रमशक्ति के जीवन स्तर के उत्थान के लिए खर्च करेगा:-

- क) अस्पताल सुविधाओं सहित कर्मचारियों की व्यावसायिक दक्षता में सुधार।
- ख) एक छोटा हिस्सा (अर्थात् 10% तक) कर्मचारियों के लिए कल्याण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए श्रेष्ठ विभाग को आवंटित किया जा सकता है।
- ग) धन का पर्याप्त हिस्सा सावधि जमा में रखा जा सकता है तथा इससे प्राप्त लाभ को कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा तथा प्रशिक्षण में बढ़ावा देने के लिए विशिष्टता एवं साधन छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- घ) टाऊनशिप में सामुदायिक केन्द्रों का उन्नयन।
- ङ) टाऊनशिप में खेल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सुविधाएं बढ़ाना।

- च) कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं के कारण विकलांग हुए कर्मचारियों के पुनर्वास के लिए वित्तीय मदद।
- छ) कर्मचारियों के आश्रितों के लिए शैक्षिक/प्रायोगिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना/उनका विस्तार/परिवर्धन/संशोधन करना।
- ज) महिलाओं/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अथवा कर्मचारियों के अन्य कमजोर वर्गों के लिए शैक्षिक/प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- झ) संयंत्र की परिधि में रहने वाले लोगों के लिए शैक्षिक/प्रशिक्षण केन्द्रों/चिकित्सा तथा स्वच्छता कार्यक्रम तथा जल आपूर्ति कार्यक्रमों आदि के लिए सहायता।
- 7.2 निधि की देख-रेख एक संयुक्त समिति द्वारा की जाएगी जिसमें इस्पात संयंत्र के प्रबंधन, मान्यता प्राप्त यूनियनों तथा अधिकारियों की एसोशिएसनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- 7.3 इस्पात संयंत्र की निधि की लेखा परीक्षा के तहत उपर्युक्त निधि की लेखापरीक्षा भी शामिल है।

## 8.0 अनुसूची

मूल्यांकन तथा पुरस्कार प्रक्रिया के लिए समय-सीमा

कार्यकलाप	समय-सीमा
● मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति तथा सार्थक प्राचलों का मूल्यांकन	अप्रैल-अगस्त
● निर्णायकों के पैनल की नियुक्ति	अगस्त
● ट्रॉफी के लिए आवेदन आमंत्रित करना	अगस्त
● निर्णायकों के पैनल द्वारा संयंत्र का दौरा	अक्तूबर-दिसंबर
● निर्णायकों के पैनल की अंतिम रिपोर्ट	28 फरवरी



सार्थक प्राचलों के मूल्यांकन के लिए संस्तुत दिशा-निर्देश

**मानक 1 नेतृत्व**

**परिभाषा**

नेता किस प्रकार मिशन और लक्ष्य को विकसित और उसकी प्राप्ति को सुगम बनाते हैं, दीर्घकालिक सफलता के लिए अपेक्षित मूल्य किस प्रकार विकसित करते हैं और उपयुक्त कार्रवाई और कार्य-व्यवहार द्वारा इन्हें कार्यान्वित करते हैं और व्यक्तिगत तौर पर यह सुनिश्चित करने में सन्निहित होते हैं कि प्रबंधन प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की जाए।

**उप मानक**

नेतृत्व में निम्नलिखित उप मानक शामिल हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए:-

1(क). नेता यह सुनिश्चित करने में व्यक्तिगत रूप से शामिल होते हैं कि संगठन की प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाए, उसे कार्यान्वित किया जाए और उसमें निरंतर सुधार हो।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- अपनी नीति और रणनीति के समर्थन हेतु संगठन के ढांचे को व्यवस्थित करना;
- यह सुनिश्चित करना कि प्रबंधन प्रक्रियाओं के लिए एक प्रणाली तैयार की जाए और उसे कार्यान्वित किया जाए;
- नीति के विकास, तैनाती से लागू करने और इसे अद्यतन करने के लिए प्रक्रिया सुनिश्चित करना और यह सुनिश्चित करना कि रणनीति विकसित की जाए और इसे कार्यान्वित किया जाए;
- यह सुनिश्चित करना कि महत्वपूर्ण परिणामों के प्रमाणन, समीक्षा और इनमें सुधार हेतु एक प्रक्रिया तैयार की जाए और इसे कार्यान्वित किया जाए;
- यह सुनिश्चित करना कि सृजनात्मक नवीनता और सीखने संबंधी कार्यकलापों के जरिए सुधारों को प्रोत्साहित करने, अभिज्ञात करने, उनका नियोजन करने और उन्हें कार्यान्वित करने के लिए एक प्रक्रिया तैयार की जाए और उसे कार्यान्वित किया जाए।

1 (ख). नेता ग्राहकों, भागीदारों और समाज के प्रतिनिधियों से जुड़े हैं।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- आवश्यकताओं और आशाओं को पूरा करना, उन्हें समझना और उन पर ध्यान देना;
- भागीदारी स्थापित करना और उसमें भागीदारी करना;
- संबुद्ध सुधार कार्यक्रमलाप शुरू करना और उनमें हिस्सा लेना ;
- व्यक्ति विशेष को और शेयरधारकों के दलों को कारोबार में उनके योगदान और उनकी निष्ठा आदि के लिए सम्मानित करना;
- उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले और समर्थन करने वाले व्यावसायिक निकायों, संगोष्ठियों और सेमिनारों में हिस्सा लेना;
- ऐसे कार्यक्रमलापों में सहयोग देना और करना जिनका उद्देश्य पर्यावरण और समाज में संगठन के योगदान में सुधार हो।

1 (ग). नेता संगठन के व्यक्तियों को अभिप्रेरित करते हैं, उनको सहयोग देते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- संगठन के मिशन, लक्ष्य, मूल्यों, नीति और रणनीति, योजनाओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में लोगों को व्यक्तिगत रूप से बताना;
- लोगों को सुलभ होना और उनकी बातें ध्यान से सुनना और उन पर ध्यान देना;
- लोगों को उनकी योजनाओं को पूरा करने, उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता करना;
- लोगों को सुधार संबंधी कार्यक्रमलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना;
- संगठन में सभी स्तरों पर दल के रूप में और व्यक्तिगत रूप से किए गए प्रयासों के लिए व्यक्तियों और दलों को सही समय पर उपयुक्ततः सम्मानित करना।

## मानक 2: नीति और रणनीति

### परिभाषा

संगठन किस प्रकार संगत नीतियों, योजनाओं, उद्देश्यों, लक्ष्यों और प्रक्रियाओं तथा शेयरधारकों पर केंद्रित रणनीति के जरिए अपने मिशन और लक्ष्यों को कार्यान्वित करता है।

### उप मानक

नीति और रणनीति में निम्नलिखित उप मानक शामिल होते हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

2 (क). नीति और रणनीति शेयरधारकों की मौजूदा और भावी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं पर आधारित होती है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- बाजार और बाजार खंड को निर्धारित करने के लिए सूचना एकत्र करना और समझना जिसमें संगठन अभी और भविष्य में प्रचालन करेगा;
- ग्राहकों, कर्मचारियों, भागीदारों, समाज और शेयरधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझना और उनका अनुमान लगाना;
- प्रतिस्पर्धी कार्यकलापों सहित बाजार स्थान के विकास को समझना और अनुमान लगाना;

2 (ख). नीति और रणनीति निष्पादन प्रमाणन, अनुसंधान संबंधी जानकारी और सूचनात्मक कार्यकलापों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित होती है और इनका उपयोग मुख्य प्रक्रियाओं के फ्रेमवर्क के जरिए किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- आंतरिक निष्पादन संकेतकों से प्राप्त परिणामों को एकत्रित करना और समझना;
- सीखने संबंधी कार्यकलापों से प्राप्त परिणामों को एकत्रित करना और समझना;
- प्रतिस्पर्धियों तथा सर्वोत्तम संगठन के कार्यनिष्पादन का आंकन करना;
- सामाजिक, पर्यावरणात्मक और विधि संबंधी मुद्दों को समझना;
- आर्थिक और जनसांख्यिकी संकेतकों को अभिज्ञात करना और समझना;
- नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव को समझना;
- शेयरधारकों के विचारों का विश्लेषण करना और उनका उपयोग करना।
- संगठन की नीति व रणनीति के उपयोग के लिए आवश्यक मुख्य प्रक्रियाओं के फ्रेमवर्क को अभिज्ञात करना और उसकी डिज़ाइन करना।
- मुख्य प्रक्रियाओं का स्पष्ट स्वामित्व स्थापित करना।
- स्टॉक होल्डर्स की सहजान समेत मुख्य प्रक्रियाओं को परिभाषित करना।
- नीति और रणनीति तैयार करने के लिए मुख्य प्रक्रियाओं के फ्रेमवर्क की प्रभावकारिता की समीक्षा करना।

2 (ग). नीति और रणनीति को संप्रेषित और कार्यान्वित किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- नीति और रणनीति का संप्रेषण एवं सोपान, जो समुचित हो;
- पूरे संगठन के कार्यकलापों की आयोजना करने, उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए नीति और रणनीति का उपयोग इनके आधार के रूप में करना;
- योजनाओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों को व्यवस्थित करना, उनकी प्राथमिकताएं तय करना और उन्हें संप्रेषित करना;
- नीति और रणनीति के प्रति जागरूकता का मूल्यांकन करना।

### मानक 3: जनसामान्य

#### परिभाषा

संगठन किस प्रकार व्यक्ति विशेष, दल और संगठन स्तर पर अपने कर्मचारियों की जानकारी और उनकी पूरी क्षमता का प्रबंधन करता है, उसे विकसित करता है और प्रसार करता है और अपनी नीति और रणनीति के समर्थन और अपनी प्रक्रियाओं के प्रभावी प्रचालन के लिए इन कार्यकलापों की योजना बनाता है।

#### उप मानक

व्यक्तियों में निम्नलिखित उप मानक शामिल हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए:-

3 (क). कर्मचारियों की जानकारी और क्षमता अभिज्ञात और विकसित की जाती है तथा उसे बनाए रखा जाता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- कर्मचारियों की जानकारी और क्षमता को संगठन की आवश्यकताओं के अनुरूप अभिज्ञात करना और वर्गीकृत करना;
- संगठन की क्षमता संबंधी मौजूदा और भावी आवश्यकताओं के अनुरूप कर्मचारियों की सहायता के लिए प्रशिक्षण और विकास योजनाएं तैयार करना और उनका उपयोग करना;

- व्यक्तियों, दलों और संगठनात्मक जानकारी संबंधी अवसरों को रूपांकित करना और उन्हें बढ़ावा देना;
- कार्य अनुभव के जरिए कर्मचारियों का विकास;
- दलगत दक्षता विकसित करना;
- व्यक्तियों और दल के उद्देश्यों को संगठन के लक्ष्यों के अनुरूप व्यवस्थित करना;
- व्यक्तियों और दल के उद्देश्यों की समीक्षा करना और उन्हें अद्यतन करना;
- लोगों के निष्पादन का मूल्यांकन करना और सुधार करना।

3 (ख). कर्मचारियों को शामिल किया जाता है और उन्हें अधिकार दिए जाते हैं।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- व्यक्तियों और दलों को सुधार संबंधी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी सहायता करना;
- आंतरिक संगोष्ठियों और समारोहों के जरिए कर्मचारियों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी सहायता करना;
- ऐसे अवसर उपलब्ध करवाना जिनसे कर्मचारी शामिल होने को प्रोत्साहित हों और नवीनता और सृजनात्मक कार्य हेतु सहायता करना;
- कर्मचारियों को कार्यवाही करने के लिए अधिकार प्रदान करना;
- कर्मचारियों को एक साथ दल के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना।

3 (ग). कर्मचारियों और संगठन में परस्पर संवाद रहता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- संप्रेषण संबंधी आवश्यकताएं अभिज्ञात करना;
- संप्रेषण संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर संप्रेषण नीतियाँ, रणनीतियाँ और योजनाएं तैयार करना;
- टॉप डाउन, बॉटम अप और हॉरीजेंटल संप्रेषण चैनल विकसित करना और इनका उपयोग करना;

- सर्वश्रेष्ठ प्रवृत्ति और जानकारी का आदान प्रदान।

3 (घ) कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता है, उनका सम्मान किया जाता है और उनका ध्यान रखा जाता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- पारिश्रमिक, पुनर्तैनाती, अनावश्यकता और रोजगार की अन्य शर्तों को नीति और रणनीति के अनुरूप तय करना;
- कर्मचारियों को जुड़े रहने और अधिकार संपन्न बनाने के लिए सम्मानित करना;
- सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण जैसे मुद्दों के प्रति जागरूकता और इनमें शामिल होने को बढ़ावा देना;
- पेंशन योजना, स्वास्थ्य रक्षा, बाल सुरक्षा जैसे लाभों के स्तर निर्धारित करना;
- सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना;
- लोचनीय समय और परिवहन जैसी सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करना।

#### मानक 4 भागीदारियों और संसाधन

##### परिभाषा

संगठन अपनी नीति और रणनीति का समर्थन करने और अपनी प्रक्रियाओं के प्रभावी प्रचालन के लिए किस प्रकार बाह्य भागीदारियों और आंतरिक संसाधनों की आयोजना करता है और प्रबंधन करता है।

##### उप मानक

भागीदारियों और संसाधनों में निम्नलिखित उप मानक शामिल हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

4 (क). बाह्य भागीदारियों का प्रबंधन किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- नीति और रणनीति के अनुरूप मुख्य भागीदारों और नीतिपरक भागीदारी के अवसरों को अभिज्ञात करना;

- मूल्य सृजित करने और उन्हें बढ़ाने के लिए भागीदारी संबंध की संरचना करना;
- मूल्यवर्धन आपूर्ति शृंखला वाली भागीदारियां करना;
- नीति और रणनीति तथा कारोबार और समाज पर उनके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक तथा नई प्रौद्योगिकियों को अभिज्ञात करना और उनका मूल्यांकन करना;
- प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का प्रबंधन करना;
- मौजूदा प्रौद्योगिकी का संदोहन करना;
- प्रौद्योगिकी का अभिनवीकरण।
- सुधार में सहयोग के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग;
- अप्रचलित प्रौद्योगिकियों को अभिज्ञात करना और प्रतिस्थापित करना;

4 (ख). प्रौद्योगिकी का प्रबंध किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित को शामिल किया जा सकता है:

- नीति और रणनीति तथा कारोबार और समाज पर उनके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक तथा नई प्रौद्योगिकियों को अभिज्ञात करना और उनका मूल्यांकन करना;
- प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का प्रबंधन करना;
- मौजूदा प्रौद्योगिकी का संदोहन करना;
- प्रौद्योगिकी का अभिनवीकरण।
- सुधार में सहयोग के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग;
- अप्रचलित प्रौद्योगिकियों को अभिज्ञात करना और प्रतिस्थापित करना;

4 (ग). सूचना और जानकारी का प्रबंध किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित को शामिल किया जा सकता है।

- नीति और रणनीति के समर्थन में सूचना और जानकारी एकत्रित करना, संरचना करना और उनका प्रबंधन करना;
- आन्तरिक और बाह्य, दोनों प्रयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त सूचना और जानकारी उपलब्ध कराना ।
- सूचना की वैधता, उनकी एकरूपता और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और उसमें सुधार करना ।
- उपभोक्ता मूल्य को उच्चतम सीमा तक बढ़ाने के लिए अद्वितीय बौद्धिक संपत्ति का सृजन, विकास और उसकी सुरक्षा ।
- जानकारी को प्रभावी रूप से प्राप्त करना, उनका संवर्धन तथा उपयोग ।
- संगत सूचना और जानकारी के साधनों का प्रयोग करके संगठन में नवीनतम और रचनात्मक सोच का सृजन करना ।

#### मानदण्ड: 5 प्रक्रियाएं

##### परिभाषा

अपनी नीतियों और रणनीतियों के समर्थन में संगठन किस प्रकार अपनी प्रक्रियाओं को रूपांकित करता है, उनका प्रबंधन करता है और उनमें सुधार करता है तथा किस प्रकार अपने उपभोक्ताओं और अन्य श्रेयधारकों की संतुष्टि के लिए बढ़ते हुए मूल्य का सृजन करता है ।

##### उप-मानक:

प्रक्रिया में निम्नलिखित उप मानक सम्मिलित हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

5 (क). प्रक्रियाओं सुव्यवस्थित रूप से रूपांकित किया जाता है और उनका प्रबंधन किया जाता है।

इसमें निम्नलिखित को शामिल किया जा सकता है:

- संगठन की प्रक्रियाओं को रूपांकित करना । इनमें वे प्रमुख प्रक्रियाएं शामिल हैं जो नीति और रणनीति के लिए आवश्यक हैं ।
- प्रयोग हेतु प्रक्रिया प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना ।
- प्रक्रिया प्रबंधन में गुणवत्ता प्रणालियों जैसे कि आई एस ओ 9000, पर्यावरणीय प्रणालियाँ, कामगारों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रणालियों के लिए प्रणाली मानक लागू करना ।



- प्रक्रिया संबंधी उपायों का कार्यान्वयन करना और निष्पादन लक्ष्य निर्धारित करना ।
- शुरू से अन्त तक की प्रक्रियाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संगठन के अन्दर और बाह्य पार्टनरों के साथ आपसी मामलों को हल करना ।

5 (ख). उपभोक्ता और अन्य शेयरधारकों की सृजन पूर्ण संतुष्टि के लिए आवश्यकतानुसार अपेक्षित परिवर्तन करके प्रक्रियाओं में सुधार करना और मूल्य संवर्धन करना।

इसमें निम्नलिखित को शामिल किया जा सकता है:

- सुधार और अन्य परिवर्तन, वृद्धिपरक और परिणामदायक, दोनों अवसरों को अभिज्ञात करना और उनकी प्राथमिकताएं निर्धारित करना ।
- सुधार और बेहतर प्रचालन विधि की प्राथमिकता निर्धारित करने और उनके लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सीखने वाली गतिविधियों से प्राप्त सूचना तथा निष्पादन और परिणामों का उपयोग करना ।
- वृद्धिपरक और परिणामदायक सुधारों में कर्मचारियों, उपभोक्ताओं और साझेदारों की रचनात्मक और नवीन प्रतिभा को प्रोत्साहन देना ।
- नई प्रक्रिया डिजाइनों, प्रचालनात्मक दर्शन और सुदृढ़ प्रौद्योगिकियों की खोज करना और उनका प्रयोग करना ।
- परिवर्तनों के कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त पद्धतियां स्थापित करना ।
- नई या परिवर्तित प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन करना और उनका नियंत्रण करना।
- इन प्रक्रिया परिवर्तनों को सभी उचित शेयरधारकों को संसूचित करना ।
- यह सुनिश्चित करना कि क्रियान्वयन से पहले नई और परिवर्तित प्रक्रियाओं के प्रचालन के लिए लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- यह सुनिश्चित करना कि प्रक्रिया परिवर्तनों से अनुमानित परिणाम प्राप्त होंगे।

5 (ग). उपभोक्ताओं की जरूरतों और आशाओं के अनुरूप उत्पादों और सेवाओं को रूपांकित किया जाता है और विकसित किया जाता है।

इनमें निम्नलिखित को शामिल किया जा सकता है:

- विद्यमान तथा भावी उत्पादों और सेवाओं हेतु उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को निर्धारित करने के लिए बाजार अनुसंधान, उपभोक्ता सर्वेक्षण और अन्य प्रकार के परिणामों का उपयोग करना और विद्यमान उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में उनका अवबोधन ।
- उपभोक्ता की भावी आवश्यकताओं तथा अपेक्षाओं के अनुरूप उत्पादों और सेवाओं में बढ़ोतरी करने के लिए सुधार कार्य अभिज्ञात करना ।

- उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए नए उत्पादों और सेवाओं को रूपांकित करना और उन्हें विकसित करना ।
- प्रतिस्पर्धी उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए रचनात्मकता और अभिनव परिवर्तनों का उपयोग करना ।
- साझेदारों के साथ मिलकर नए उत्पादों का सृजन ।

5 (घ) उत्पाद और सेवाएं सृजित की जाती हैं, डिलीवर की जाती हैं, प्रदान की जाती हैं।

इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- डिजाइन और परिवर्तनों के अनुरूप उत्पाद और सेवाएं सृजित करना अथवा हासिल करना ।
- मौजूदा और संभावित उपभोक्ताओं को उत्पाद और सेवाओं का संप्रेषण और विपणन तथा उनकी बिक्री
- उपभोक्ताओं को उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराना ।
- जहां कहीं उचित हो, उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध करना ।

5 (ङ) उपभोक्ता संबंधों का प्रबंधन किया जाता है और उन्हें बढ़ाया जाता है।

इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- उपभोक्ताओं की दिन-प्रतिदिन की संपर्क संबंधी आवश्यकताएं निर्धारित करना तथा उन्हें पूरा करना
- शिकायतों सहित दिन-प्रतिदिन के संपर्क संबंधी सूचना की हैंडलिंग।
- उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से उनके साथ सक्रिय सहयोग करना ।
- उत्पाद, सेवाएं और अन्य उपभोक्ता बिक्री तथा सेवा प्रक्रियाओं की संतुष्टि के स्तर तय करने के उद्देश्य से बिक्री, सेवा तथा अन्य के बारे में अनुवर्ती कार्रवाई
- उपभोक्ता बिक्री और वितरण संबंधों में रचनात्मकता और नवीनता बनाए रखना ।
- उपभोक्ताओं के संबंधों की संतुष्टि के स्तर को निर्धारित करने और उसे बढ़ाने के लिए नियमित सर्वेक्षण, ढांचागत आंकड़े एकत्रित करने के अन्य उपायों और उपभोक्ता के दिन-प्रतिदिन संबंधों के एकत्रित आंकड़ों का उपयोग करना ।

**अनुलग्नक- II****सार्थक प्राचलों के मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों के अनुपूरक****(क) आंकड़े एकत्र करना**

आंकड़े एक प्रश्नावली के जरिए एकत्र किए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न अनुलग्नक- I के अन्तर्गत सार्थक प्राचलों के तहत उल्लिखित उप मानक में से चयनित क्षेत्र से संबंधित होगा। उत्तर देने वाले संगठन को प्रश्न के उत्तर के साथ आवश्यक सहायक प्रमाण देना अपेक्षित है। उत्तर में मात्रात्मक अथवा गुणवत्तात्मक अथवा दोनों किस्म के आंकड़े शामिल होने चाहिए।

दिए जाने वाले आंकड़े प्रत्येक सार्थक प्राचल/उप प्राचल की प्रक्रिया अथवा उत्पादन पहलू से संबंधित हो सकते हैं।

**(ख) मूल्यांकन**

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मूल्यांकन प्रक्रिया परिपक्वता मॉडल के आधार पर किया जाएगा। मूल्यांकन के बाद ग्रेड की रैंकिंग पद्धति का पालन किया जाएगा जिसमें अंक दो घरणों - कोर्स और अन्तिम, में दिए जाएंगे।

**(ग) उदाहरण**

नीचे उल्लिखित मानदण्ड, उप मानदण्ड और ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र अनुलग्नक - I में दिए गए संस्तुत दिशा-निर्देशों से उद्धृत किए गए हैं।

**उदाहरण- I**

मानक - नेतृत्व

उप-मानक - नेता उद्देश्य, दृष्टिकोण और मूल्य विकसित करते हैं, तथा एक उत्कृष्ट संस्कृति के महत्वपूर्ण मॉडल होते हैं।

ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र - विकास करना और संगठन का उद्देश्य तथा दृष्टिकोण

**प्रश्न**

- (क) कृपया उपक्रम का दृष्टिकोण बताएं ?
- (ख) आपने यह दृष्टिकोण कैसे प्राप्त किया ?
- (ग) उपरोक्त दृष्टिकोण की सतत संगतता को आप कैसे सुनिश्चित करते हैं ?

**उदाहरण- II**

**मानक - नेतृत्व**

उप-मानक - नेता ग्राहकों, भागीदारों और समाज के प्रतिनिधियों से जुड़े होते हैं ।

ध्यान दिए जाने वाले के क्षेत्र : पर्यावरण में सुधार करने और समाज के लिए संगठन के योगदान के उद्देश्य से कार्यकलापों का समर्थन तथा कार्य करना ।

**प्रश्न**

- (क) निर्गमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए आपके संगठन की क्या नीति है ?
- (ख) विनिर्दिष्ट उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संस्थागत ढांचा क्या है?
- (ग) विशेष रूप से अभिज्ञात मानकों के लिए किए गए कार्यकलापों का क्या स्वरूप है ?

**उदाहरण- III**

**मानक - साझेदारियां और संसाधन**

उप-मानक - भवन, उपकरण और सामग्री का प्रबंधन किया जाता है।

ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र - कुल परिसम्पत्ति जीवनकाल चक्र निष्पादन में सुधार करने के लिए परिसम्पत्तियों का प्रबंधन, अनुरक्षण और उपयोग ।

**उप-क्षेत्र - सुविधा अनुरक्षण आयोजना और नियंत्रण**

**प्रश्न**

- (क) अपनी अनुरक्षण नीति का उल्लेख करें ।
- (ख) अनुरक्षण आयोजना और नियंत्रण की प्रक्रिया बताएं ।
- (ग) अनुरक्षण कार्य पद्धतियों के सुधार के लिए प्रक्रिया बताएं।

**(घ) समय**

प्रश्नावली तैयार की जा रही है । फाइनल प्रश्नावली प्रत्येक प्रत्युत्तर देने वाले संगठन को यथासमय भेज दी जाएगी ।

## अनुलग्नक-III

लाइनर पद्धति द्वारा 5 प्वाइन्ट पैमाने में अंक देने के लिए वस्तुनिष्ठ  
प्राचलों के सर्वोत्तम और सबसे खराब मूल्य

क्र.सं	प्राचल	मापन की इकाई	सर्वोत्तम मूल्य	सबसे खराब मूल्य
1	क्षमता उपयोगिता	%	120.0%	90%
2.0	प्रचालन दक्षता			
2.1	कार्बन दर			
क)	घमन भट्टी में कार्बन की दर	किग्रा/टीएचएम	450	500
ख)	कोरेक्स भट्टियों के कार्बन दर	किग्रा/टीएचएम	575	675
ग)	एचबीआई/डीआरआई इकाइयों में ईंधन की खपत	जी कैल/टी	2.5	3.0
2.2	घमन भट्टी, कोरेक्स भट्टी, एचबीआई अथवा डीआरआई किलन उत्पादकता			
क.	घमन भट्टी उत्पादकता	किग्रा/एम3/दिन	2.39	1.0
ख.	कोरेक्स भट्टियों की उत्पादकता	टी/घंटा	100	90
ग.	डीआरआई किलन उत्पादकता	टी/दिन/एम3	9.0	8.0
2.3	इस्पात निर्माण भट्टी उत्पादकता	ताप/कनवर्टर/वर्ष		
क.	बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ)		10000	4000
ख.	इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ)		6000	3500
2.4	समग्र विशिष्ट ऊर्जा खपत			
क.	ऊर्जा खपत (बीएफ/कोरेक्स + बीओएफ संयंत्र)	जीकैल/टीसीएस	5.91	9.0
ख.	ऊर्जा खपत ( एचबीआई + ईएएफ संयंत्र)	जीकैल/टीसीएस	5.0	6
2.5	श्रम उत्पादकता			
क.	श्रम उत्पादकता (बीएफ+बीओएफ संयंत्र)	टी/व्यक्ति/वर्ष	280	100
ख.	श्रम उत्पादकता (कोरेक्स+बीओएफ संयंत्र)	टी/व्यक्ति/वर्ष	480	250
ग.	श्रम उत्पादकता (एचबीआई + ईएएफ संयंत्र संयंत्र)	टी/व्यक्ति/वर्ष	1800	800
3.0	वित्तीय निष्पादन			

क.	सकल मार्जिन/कारोबार अनुपात	अनुपात	30.0%	10.0%
ख.	सकल मार्जिन/लगाई गई पूंजी	अनुपात	90.0%	20.0%
ग.	कारोबार/इनवेंटरी अनुपात	अनुपात	12	5
घ.	सकल मूल्य की तुलना में पूंजीकृत व्यय	अनुपात	10%	5%
4.0	निर्यात निष्पादन			
क.	निर्यात मूल्य अनुपात	अनुपात	40.0%	5.0%
5.0	उत्पादों की गुणवत्ता			
क.	विशेष इस्पात उत्पादन	%	70.0%	20.0%
ख.	विकसित किए गए नए उत्पाद	संख्या	10	2
6.0	पर्यावरण प्रबंधन			
क.	वायु प्रदूषण	नॉर्मे स्ट्रेक का %	100%	95%
ख.	जल प्रदूषण	किग्रा/टीसीएस	0.1	1.99
ग.	ठोस अपशिष्ट की उपयोगिता	%	90.0%	30.0%
घ.	विशिष्ट जल खपत	एम3/टीसीएस	2	8
7.0	निगमित सामाजिक जिम्मेदारी			
क.	वितरण योग्य लाभ के प्रतिशत के रूप में सीएसआर पर व्यय	%	1.5	0.5
8.0	सुरक्षा (ठेका श्रम सहित)			
क.	बारंबारता दर	सूचना योग्य दुर्घटनाओं की संख्या $\times 10^6$ काम के श्रम घंटे	0.5	4.0
ख.	बर्चाय दर	श्रम दिवसों की हानि $\times 10^6$ काम के श्रम घंटे	0	2000
ग.	घातक दुर्घटनाएं	घातक दुर्घटनाओं की संख्या	0	0
9.0	अनुसंधान एवं विकास पर बल			
क.	अनुसंधान एवं विकास व्यय	कारोबार के प्रतिशत के रूप में	0.2	0
ख.	आईपीआर	संख्या	5	1

\* निर्णायकों के पैनल से परामर्श करके समीक्षा की जाएगी।

## 1. समर्थ प्राचल और उनका महत्व

समर्थ प्राचल और उनका महत्व निम्न प्रकार है:-

समर्थ प्राचल	महत्व
नेतृत्व	4
नीति एवं रणनीति	3
सजसामान्य प्रबंधन	3
साझेदारी एवं संसाधन	4
प्रक्रिया	6
आवंटित (100)	20

## 2.0 आवेदन के संबंध में दिशानिर्देश

भागीदार संयंत्र द्वारा अनुलग्नक - II में दी गई प्रश्नावली को भरना अपेक्षित है। इस प्रश्नावली को भरने के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जाए।

- संगठन का ओवरव्यू सेक्शन 4 पृष्ठों तक सीमित होना चाहिए। इन पृष्ठों को नीचे दी गई निर्धारित समय सीमा में नहीं गिना जाएगा। सभी निदर्शी संलग्नकों (चार्ट, ग्राफ, स्टेटमेंट आदि) सहित प्रस्तुतीकरण 65 पृष्ठों से अधिक नहीं होना चाहिए। 65 से अधिक पृष्ठों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- यह प्रस्तुतीकरण 12 प्वाइंट अथवा 10 प्वाइंट से छोटे फॉन्ट में किया अथवा टाइप किया नहीं होना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी ग्राफ और चार्ट पढ़े जाने योग्य हों। प्रत्येक प्रश्न का अलग-अलग उत्तर दिया जाना चाहिए।
- उत्तर के समर्थन में सभी तथ्य तथा सूचनाएं दी जाएं। वांछित आंकड़े, सूचना अथवा तथ्यों के बिना उत्तर पर मूल्यांकन के दौरान विचार नहीं किया जाएगा। यदि शब्दों का संक्षिप्त रूप दिया जाए तो उनका विस्तृत रूप अलग से शब्दावली में दिया जाना चाहिए (शब्दावली के पृष्ठों को निर्धारित पृष्ठ सीमा में नहीं गिना जाएगा)।
- यदि विस्तारपूर्वक नहीं बताया गया तो मूल्यांकन के लिए अपेक्षित उदाहरणों को केवल मूल्यांकन वर्ष 2006-07 के लिए समझा जाएगा।

### 3. अंक निर्धारण एवं पद्धति एवं दिशा-निर्देश

- 3.1 विभिन्न मानक मदों के प्रश्नों पर आवेदकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए एक सेल्फ एसेसमेंट एप्रोच प्रबंधन प्रणाली की सुदृढ़ता पर आधारित होता है। इस सुदृढ़ता स्तर को प्रक्रिया प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों जैसे गुणवत्ता में सुधार (क्रोसबाईज मैच्योरिटी लेवल के नाम से), नीतिपरक प्रबंधन क्षेत्र (जैसे हेज एंड स्टीलव्राइट्स मॉडल ऑफ मैनुफैक्चरिंग मैच्योरिटी) में तथा हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी में इंटीग्रेटेड कैपेबिलिटी मैच्योरिटी मॉडल के जरिए मली-भांति मान्यता दी गई है। प्रक्रिया मूल्यांकन का मैच्योरिटी मॉडल को जापानी गुणवत्ता अवार्डों के लिए भी उपयोग किया जा रहा है।
- 3.2 कारोबार प्रणाली के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए इसी परिकल्पना का उपयोग किया जाएगा। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य सुदृढ़ता के मौजूदा स्तर पर आधारित कार्य योजना के विकास में सहायता करना है। सामर्थ्य से संबंधित सूचना दो प्रकार के प्रश्नों अर्थात् क्यों और कैसे के जरिए एकत्रित की गई है।
- 3.3 कैसे प्रकार के प्रश्नों का निम्न प्रकार से मूल्यांकन किया जाएगा:

स्तर - 1	स्तर - 2	स्तर - 3	स्तर - 4
आकस्मिक तथा समस्या आधारित दृष्टिकोण।	प्रणाली आवश्यकताओं को इष्टतम बनाने के उद्देश्य से मौजूदा पद्धतियों/प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए नियमित और आवधिक प्रयास।	पद्धतियों/प्रक्रियाएं पूरे संयंत्र में एकीकृत हैं। प्रक्रिया निष्पादन का प्रबोधन, प्रमाणन, विश्लेषण किया जाता है और ग्राहक संतुष्टि तथा मूल्य में सुधार हेतु इनमें सुधार किया जाता है।	एक प्रक्रिया प्रबंधन प्रणाली (वृद्धिपरक और मूलभूत परिवर्तन, दोनों) स्थापित की गई है और संयंत्र ने अपने संगठनात्मक ढांचे, संस्कृति और हो रहे बदलाव संबंधी प्रणाली को इष्टतम बनाया है।

प्रक्रिया निष्पादन में सुधार के लिए प्रयास सीमित, प्रतिक्रियात्मक और सुधारात्मक हो सकते हैं।

संयंत्र ने निर्धारित अवधि में सफल कार्यान्वयन का प्रदर्शन किया है।



### 3.4 क्या प्रकार के प्रश्नों का निम्न प्रकार से मूल्यांकन किया जाएगा:

स्तर - 1	स्तर - 2	स्तर - 3	स्तर - 4
सामान्य कार्यकलाप	एकमुश्त आवधिक कार्यकलाप, प्रमुख स्टैकहोल्डरों की आवश्यकताओं की पूर्ति	कॉम्प्लैक्स कार्यकलापों का नियमित प्रबंधन	बड़ी संख्या में स्टैकहोल्डरों पर दीर्घकालिक प्रभाव सहित कॉम्प्लैक्स स्थापनाओं का नियमित प्रबंधन
सीमित स्टैकहोल्डरों की तत्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति			
उतार-चढ़ाव वाले परिणाम	लगभग संतुलित स्थिति	छोटी धनराशि से वृद्धि का रख	रुख में महत्वपूर्ण सुधार
0 से 2	3 से 5	6 से 8	9 से 10

### 3.5 अंक निर्धारण

किसी भी मद के लिए अंक निर्धारण करते समय एक जांचकर्ता उसके स्तर का निर्धारण करता है जो किसी विशेष प्रश्न की समग्र मद प्रतिक्रिया के लिए सर्वाधिक उचित हो।

समग्र सर्वाधिक उचित "बेस्ट फिट" मद का निर्धारण करने के लिए प्रत्येक विवरण सहित टोटल एग्रीमेंट की आवश्यकता नहीं होती।

रेंज के भीतर ही वास्तविक अंक आगामी उच्च तथा आगामी निम्न स्कोरिंग रेंज में विवरण के संबंध में जांचकर्ता की मद प्रतिक्रिया की समाप्ति के निर्णय पर निर्भर करती है।

एकीकृत इस्पात संयंत्र के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए प्रधान  
मंत्री ट्रॉफी के पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र।  
(2006-07)

समर्थ मानकों का मूल्यांकन

क. संगठन के बारे में

क 1. संयंत्र का नाम

क 2. पत्राचार का पता

क 3. संयंत्र के मुखिया का नाम एवं पदनाम

क 4. नोडल अधिकारी से संपर्क का विवरण

दूरभाष:

फैक्स संख्या

ई - मेल

क 5. स्थापना की तारीख

## ख. कारोबार परिदृश्य

ख 1. संयंत्र, प्रौद्योगिकी, उत्पादन क्षमता तथा संयंत्र के निष्पादन को प्रभावित करने वाले मौजूदा बाहरी परिदृश्य का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

ख 2. संयंत्र के संगठनात्मक ढांचे और इसके कर्मचारियों के संबंध में संक्षिप्त विवरण दीजिए।

ख 3. प्रमुख उत्पाद क्षमता क्या है तथा क्या - क्या सेवाएं दी जा रही हैं किन बाजार खंडों को इनकी आपूर्ति की जा रही है और किस प्रकार के ग्राहकों की यह सेवा दी जा रही है। अपने उत्पादों के प्रतिस्पर्धी को विनिर्दिष्ट कीजिए तथा उस बाजार खंड में आपका बाजार शेयर निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

प्रमुख उत्पाद	मुख्य खंड	मुख्य प्रतिस्पर्धी	बाजार साईज	बाजार शेयर
रेल पटरी के रेलवे लिए 1 बीम		एबीसी	1.8 मिलियन टन	75 प्रतिशत

ख 4. कोक, सिंटर, तप्त धातु, द्रव इस्पात, तप्त बेतलित उत्पादों जैसे उत्पादन के विभिन्न स्तरों में रुपया प्रति टन की दर से उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संयंत्रों के संदर्भ में संयंत्र की तुलना कीजिए।

## ग. मूल्यांकन मानक

### ग. 1 नेतृत्व

ग.1.1 किस प्रकार उच्च प्रबंधन विकास प्रक्रिया को सुविधा प्रदान करता है तथा बदलते हुए औद्योगिक और बाजार परिदृश्य में विजन, मिशन और मूल्यों को अर्जित करने में सुविधा प्रदान करता है।

नोट: व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार यह नेतृत्व संचालित करता है तथा इसे सुदृढ़ बनाता है ?

ग.1.2 किस प्रकार संयंत्र स्तर पर अन्य उच्च प्रबंधन विभिन्न बिजनेस सुधारों की पहल करता है, इनका प्रबंधन करता है तथा इन्हें बनाए रखता है? कृपया वर्ष 2003-2007 के दौरान की गई पांच कारोबारी पहलों का उल्लेख कीजिए।

नोट: कृपया पांच संयंत्र व्यापी सुधारात्मक पहलों का वर्णन कीजिए ?

ग.1.3 संयंत्र स्तर पर उच्च प्रबंधन किस प्रकार स्वयं को सीधे ग्राहकों/एंड यूजर्स की समस्याओं, जरूरतों और आशाओं को समझता है तथा किस प्रकार संयंत्र स्तर पर उनका निपटान करता है।

ग.1.4 (क) संगठन की बिजनेस नीति संबंधी मुद्दों को नेतृत्व किस प्रकार निपटाता है।

ग.1.4 (ख) संयंत्र पर उच्च प्रबंधन किस प्रकार सांविधिक अपेक्षाओं के बाहर संगठन की सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहण करता है।

**ग.2 नीति एवं रणनीति**

**ग 2.1** आप संगठन की समय नीति और रणनीति संयंत्र तथा उत्पाद के गुणों और निर्धारित बाजार को ध्यान में रखते हुए संयंत्र की नीतिपरक तरजीह किस प्रकार निर्धारित करेंगे।

नोट:

- संयंत्र स्तर पर उच्च प्रबंधन उत्पाद मिश्र की तरजीह किस प्रकार निर्धारित करते हैं तथा अपने राजस्व को अधिकतम करने के लिए बाजार का प्रचालन किस प्रकार करते हैं, इस पर विचार करें।
- विचार करें कि संयंत्र स्तर पर उच्च प्रबंधन रणनीति तैयार करने में किस प्रकार अपने वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- वर्णन करें कि नीतिपरक जोखिम प्रबंधन संबंधी मुद्दों को किस प्रकार निपटाया जाता है।
- दीर्घावधिक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए नियोजित/कार्यान्वित पहल जैसे आमेलन, अधिग्रहण अग्रगामी/पश्चगामी एकीकरण आदि का वर्णन करें।

**ग.2.2** संयंत्र स्तर पर नीति एवं रणनीति की समीक्षा करने तथा इसे अद्यतन करने की पद्धति का वर्णन करें। यह भी वर्णन कीजिए कि संयंत्र मौजूदा नीति एवं रणनीति के संयंत्र पर प्रभाव का मूल्यांकन किस प्रकार करता है। उत्तर के समर्थन में मूल्यांकन वर्ष 2006-2007 से उदाहरण दीजिए।

**ग. 2.3** विभाग/प्रभाग/प्रक्रिया के लिए संयंत्र किस प्रकार अपनी नीति एवं रणनीति को उद्देश्यों/लक्ष्यों में परिवर्तित करता है। तदोपरान्त उद्देश्यों/लक्ष्यों को संयंत्र में किस प्रकार पूरा किया जाता है और नियमित रूप से किस प्रकार उनका प्रबोधन किया जाता है।

## ग.3 जन सामान्य

ग.3.1(क) संयंत्र के विभिन्न 4 स्तरों पर सक्षमता अन्तर की पहचान किस प्रकार की जाती है और इसे पाटने की प्रक्रिया क्या है ?

ग.3.1(ख) सक्षमता विकास प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाता है और इनमें सुधार किस प्रकार किया जाता है।

ग.3.2 संयंत्र स्तर पर उच्च प्रबंधन किस प्रकार अपने कर्मचारियों का मनोबल/प्रेरणा, संतुष्टि और कल्याण निश्चित करते हैं और इस निर्धारण में उपयोग की जाने वाली प्रणाली, बारंबारता और विशिष्ट घटकों का संक्षेप में वर्णन करें।

ग.3.3 (क) कर्मचारियों का सहयोग सुनिश्चित करने और उनके काम के वातावरण में सुधार करने के लिए और उन्हें अधिकार संपन्न बनाने के लिए प्रक्रिया का वर्णन करें।

ग.3.3 (ख) संयंत्र स्तर पर प्रबंधन संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति में अपने कर्मचारियों द्वारा प्रभावपूर्ण योगदान करने के लिए उन्हें किस प्रकार पुरस्कृत और सम्मानित करता है।

ग.3.4 कर्मचारियों की व्यक्तिगत सामाजिक और सांस्कृतिक अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए संयंत्र स्तर पर उच्च प्रबंधन द्वारा किए गए विभिन्न कार्य क्या हैं ? इन कार्यों की पहचान किस प्रकार की जाती है, किस प्रकार इनकी तरजीह निर्धारित की जाती है।

#### ग.4 साझेदारी एवं संसाधन

ग.4.1 संयंत्र के निष्पादन में वृद्धि करने के लिए नई प्रौद्योगिकी एवं उपकरणों की पहचान करने तथा इन्हें विकसित करने/अपनाने की प्रक्रिया का वर्णन करें। कृपया मूल्यांकन वर्ष 2006-2007 के लिए उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

ग.4.2 संयंत्र ग्राहकों की जरूरतों का किस प्रकार पता लगाता है और इन्हें सुधारात्मक कार्यों में किस प्रकार कार्यान्वित करता है। ऐसे कार्यों की सहायता के लिए आर एंड डी की भूमिका बताइए। आर एंड डी के कार्यों तथा मूल्यांकन वर्ष 2006-2007 के दौरान अर्जित लाभ भी बताइए।

नोट: उन अन्य एजेंसियों, जो ऐसे आर एंड डी प्रयासों के लिए साझेदार के तौर पर कार्य करती हैं, की भूमिका का भी उल्लेख करें।

ग.4.3 (क) कारोबार निष्पादन में निरन्तर सुधार करने के लिए आई टी संसाधनों में किस प्रकार वृद्धि की जा रही है।

ग.4.3 (ख) संयंत्र अपने कर्मचारियों के दिन-प्रति-दिन के अनुभव का किस प्रकार पता लगाते हैं और उनके ज्ञान को बांटते हैं। संयंत्र के निष्पादन में वृद्धि करने के लिए किस प्रकार उनके अनुभव का उपयोग किया गया है।

ग.4.4 आंतरिक एवं बाह्य संपर्क प्रणाली क्या है। इस प्रणाली के प्रभाव का मूल्यांकन आप किस प्रकार करेंगे। मूल्यांकन वर्ष 2006-07 से उदाहरण दीजिए।

ग.4.5 क्या आपके पास कोई प्रमाणित सप्लाय चैन पॉलिसी है। इस नीति को कार्यान्वित करने के लिए आप किस प्रक्रिया को अपनाते हैं। आप इसका मूल्यांकन और आगे इसमें सुधार किस प्रकार करते हैं।

ग.4.6 लागत में कमी करने वाले क्षेत्रों की पहचान करने तथा इनकी प्राथमिकता निर्धारित करने की प्रक्रिया का वर्णन करें। उन प्रयासों का भी उल्लेख करें जो मूल्यांकन वर्ष के दौरान लागत में कमी वाले क्षेत्रों में किए गए थे। उत्पादन लागत की प्रतिशतता के रूप में की गई बचत की दृष्टि से इन प्रयासों के प्रभाव बताइए और रुख भी बताएं।

## ग. 5 प्रक्रियाएं

ग.5.1 संयंत्र में उत्पादों तथा सेवा प्रेषण तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए उपयोग किए जा रहे विभिन्न प्रणाली स्तर मानक जैसे आईएसओ 9000, आईएसओ 14000, ओएचएसएस 18000 आदि का कार्यान्वयन किस प्रकार किया जाता है ? मूल्यांकन वर्ष 2006-07 से उदाहरण सहित बताइए।

ग.5.2 संयंत्र अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं की व्यवहार्यता की पहचान किस प्रकार करता है ? इसमें सुधार करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं। मूल्यांकन वर्ष 2006-07 से उदाहरण सहित बताइए।

ग.5.3 (क) उपस्कर अनुरक्षण नीति क्या है ? संयंत्र में अपनाई जा रही विभिन्न अनुरक्षण पद्धतियां क्या हैं ? उदाहरण दें।

ग.5.3 (ख) संयंत्र अपने अनुरक्षण निष्पादन के प्रभाव का मूल्यांकन किस प्रकार करता है ? विवरण दीजिए। अनुरक्षण निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए संयंत्र द्वारा उपयोग किए जा रहे 3 मानक बताइए। इन मानकों से गत 3 वर्ष के लिए प्रत्येक विभाग जैसे धमन भट्टी, इस्पात गलन, तप्त एवं शीत बेल्लन आदि के अलग-अलग आंकड़े दीजिए।

नोट: उदाहरणतः कुछ मानक अनुरक्षण लागत, उपस्कर उपलब्धता, एमटीबीएफ, उत्पादन दर आदि से संबंधित हो सकते हैं।

ग.5.4 (क) ग्राहकों के ऑर्डर पूरे करने की प्रक्रिया बताइए ? आप इस प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे और इसमें और अधिक सुधार किस प्रकार करेंगे ? डिलीवरी विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में मूल्यांकन वर्ष से उदाहरण दें।

ग.5.4 (ख) ग्राहकों को सही-सही सूचना देने के लिए आपने प्रौद्योगिकी में क्या वृद्धि की है ? यदि ग्राहक जांच सामान्य प्रक्रिया के तहत नहीं की जाती है तो यह किस प्रकार की जाती है, यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रक्रिया है, यह भी बताइए।



ग.5.4 (ग) बाहरी ग्राहकों से जानकारी प्राप्त करने तथा इस पर सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए संयंत्र इनसे किस प्रकार संपर्क बनाता है ?

ग.5.5 आपकी कंपनी की ऊर्जा नीति क्या है ? यह कंपनी की कारोबार नीति से किस प्रकार जुड़ी हुई है, यह किस प्रकार लागू की जाती है तथा इसका प्रबोधन किस प्रकार किया जाता है और इसमें सुधार कैसे किया जाता है ?

ग.5.6 (क) संयंत्र की सुरक्षा संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने, तदोपरान्त, इनमें सुधार करने के लिए संयंत्र स्तर पर क्या उपाय किए गए हैं ? गत 3 वर्ष के दौरान उन उपायों के प्रभाव का उल्लेख करें।

ग.5.6 (ख) संयंत्र की स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने, तदोपरान्त, इनमें सुधार करने के लिए संयंत्र स्तर पर क्या उपाय किए गए हैं ? गत 3 वर्ष के दौरान उन उपायों के प्रभाव का उल्लेख करें।

\*\*\*\*\*

## LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-110001, the 19th August 2008

No. 4/1/EWC/2008—

The Committee on Empowerment of Women for the year 2008-2009 has been constituted with effect from **16<sup>th</sup> August, 2008**. The following Members have been nominated to serve on the Committee: -

**MEMBERS****LOK SABHA**

1. Smt. Priya Dutt
2. Smt. Tejaswini Seeramesh Gowda
3. Smt. Jayaprada
4. Smt. Preneet Kaur
5. Smt. Sushila Kerketta
6. Smt. Manorama Madhvaraj
7. Shri Tek Lal Mahato
8. Smt. Kiran Maheshwari
9. Shri Rajesh Kumar Manjhi
10. Smt. Neeta Pateriya
11. Prof. M. Ramadass
12. Smt. K. Rani
13. Smt. Minati Sen
14. Smt. Karuna Shukla
15. Smt. C.S. Sujatha
16. Smt. B. Jayaben Thakkar
17. Shri P. C. Thomas
18. Smt. Krishna Tirath
19. Shri M.P. Veerendra Kumar
20. Shri Kinjarapu Yerrannaidu

**RAJYA SABHA**

21. Shri Gandhi Azad
22. Smt. Shobhana Bhartia
23. Smt. Hema Malini
24. Shri Jabir Hussain
25. Shri Banwari Lal Kanchhal
26. Smt. Kanimozhi
27. Smt. Brinda Karat
28. Smt. Syeda Anwara Taimur
29. Dr. C.P. Thakur
30. Dr. Prabha Thakur

2. **Smt. Krishna Tirath, MP** has been appointed as the Chairperson of the Committee.

C.S. JOON  
Director

**Non-Official Members Nominated by the Ministry of Home Affairs**  
**(Department of Official Language)**

- |      |   |        |
|------|---|--------|
| (13) | Dr. T.R.Bhatt<br>"Pragaya Shree", Vith Cross, Kalyan Nagar<br>Dharwad, (Karnataka-580007)     | Member |
| (14) | Dr. Nazir Mohammad,<br>Rahatkada, Diggi Road (Near Abdullah Girls' College)<br>Aligadh-202001 | Member |
| (15) | Sh. Narayan Rao Shinde,<br>Navi Shukrawari, Dasra Road, Ward No. 18<br>Nagpur-440002          | Member |

**Official Members**

**Department of Official Language (Ministry of Home Affairs)**

- |      |                 |        |
|------|-----------------|--------|
| (16) | Secretary       | Member |
| (17) | Joint Secretary | Member |

**Ministry of Statistics and Programme Implementation**

- |      |  |                  |
|------|--|------------------|
| (18) | Secretary  | Member           |
| (19) | Director General & Chief Executive Officer (NSSO)    | Member           |
| (20) | Director General, Central Statistical Organisation   | Member           |
| (21) | Additional Secretary                                 | Member           |
| (22) | Additional Director General (National Accounts)      | Member           |
| (23) | Additional Director General (Training)               | Member           |
| (24) | Additional Director General (FOD, New Delhi)         | Member           |
| (25) | Additional Director General (SDRD, Kolkata)          | Member           |
| (26) | Additional Director General (DPD, Kolkata)           | Member           |
| (27) | Additional Director General (IS Wing, Kolkata)       | Member           |
| (28) | Deputy Director General (Computer Centre, New Delhi) | Member           |
| (29) | Deputy Director General (NSC)                        | Member           |
| (30) | Director (ISI, Kolkata)                              | Member           |
| (31) | Director (NSSO)                                      | Member           |
| (32) | Director (Admn.)                                     | Member           |
| (33) | Director (Finance)                                   | Member           |
| (34) | Joint Adviser (IPMD)                                 | Member           |
| (35) | Deputy Director (O.L.)                               | Member           |
| (36) | Joint Secretary (Admn.)                              | Member Secretary |

### **Functions**

2. The function of the Samiti will be to render advise for the implementation of the policies laid down by Kendriya Hindi Samiti and Department of Official Language regarding the use of Hindi for official purposes in the Ministry of Statistics and Programme Implementation.

### **Tenure**

3. The extended tenure of the Samiti will be for one year i.e. upto 04<sup>th</sup> May, 2009 subject to the following:

- (a) a member, who is Member of Parliament, will cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;
- (b) ex-officio member of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti;
- (c) a member nominated in a vacancy arising in the Samiti due to the death or resignation of any member shall hold office for the residual term.

### **Headquarters**

4. The headquarters of the Samiti shall be at New Delhi.

### **Travelling and other allowances**

5. The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time and as per instructions contained in the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, Office Memorandum No.II/20034/4/86-OL(A-2) dated 22<sup>nd</sup> January, 1987.

### **Order**

Ordered that a copy of this Resolution be sent to all State Governments, Administrations of Union Territories, President's Secretariat, Vice-President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and All Ministries/Departments of Government of India.

It is also ordered that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ARVIND KUMAR  
Joint Secy.

MINISTRY OF STEEL

New Delhi-110107, the 1st August 2008

**RESOLUTION**

No. 14(1)/2007-TW (Vol.I) Ministry of Steel, Government of India hereby constitutes a 'Panel of Judges' to evaluate the performance of the Integrated Steel Plants in India for awarding the Prime Minister's Trophy and the Steel Minister's Trophy for excellence in performance for the year 2006-07. The Panel of Judges will consist of the following:-

- |    |  |          |
|----|--|----------|
| 1. | Shri Pramod Kumar Rastogi,<br>Secretary to the Government of India,<br>Ministry of Steel,<br>Udyog Bhawan,<br>New Delhi-110011   | Chairman |
| 2. | Shri Jagdish Khattar<br>Ex. Managing Director<br>Maruti Udyog Limited<br>N-128, Panchsheel Park<br>New Delhi-110017  | Member   |
| 3. | Sh. D.R. Ahuja,<br>Ex-CMD,<br>Vizag Steel Plant,<br>Rashtriya Ispat Nigam Ltd.,<br>C-22A Sushant Lok-I,<br>Gurgaon-122002<br>Haryana   | Member   |
| 4. | Prof. A.K. Lahiri (Retd.)<br>Deptt. Of Metallurgy<br>Indian Institute of Science<br>Flat: 208, Pranava Complex<br>No.-3 5 <sup>th</sup> Cross, Malleswaram<br>Bangalore-560003 | Member   |

- |     |  |                  |
|-----|--|------------------|
| 5.  | Sh. K.A.P. Singh<br>Ex-Managing Director<br>Bokaro Steel Plant<br>A-102, Lokhandwala Residency Tower,<br>L.R. Papan Marg,<br>Opp. E. Moses Road,<br>Worli, Mumbai-400 018                | Member           |
| 6.  | Sh. S.N. Mishra,<br>Ex-Director (Projects),<br>Steel Authority of India Ltd.,<br>571, Shakuntlam Cooperative Society,<br>Plot No. 16, Sector-10, Dwarka,<br>New Delhi-110075             | Member           |
| 7.  | Sh. Anil Agrawal<br>Financial Expert & Independent<br>Director MECON<br>B-139, Kalkaji,<br>New Delhi-110019  | Member           |
| 8.  | Sh. Sanjay Chandra,<br>Managing Director,<br>UNITECH Ltd.<br>Unitech Signature Towers, GF<br>South City-I, NH-8,<br>Gurgaon-122002   | Member           |
| 9.  | Sh. Pradyumna Jajodia,<br>Executive Director,<br>Warden Group of Companies,<br>Warden House, 340 JJ Road,<br>Mumbai-400008   | Member           |
| 10. | Sh. Ramyash Singh,<br>President,<br>INTUC, Haridwar & General Secretary,<br>Indian National Sugar Mills Workers' Association<br>163/III/I, BHEL, Ranipur<br>Haridwar-249403<br>Uttanchal | Member           |
| 11. | Shri U.P. Singh<br>Joint Secretary to the Government of India<br>Ministry of Steel, Udyog Bhawan,<br>New Delhi-110011  | Member Secretary |

2.0 The terms of reference of Panel of Judges are as follows:-

2.1 To evaluate performance of all integrated steel plants in India, for the year 2006-07, starting operating from virgin iron unit in one location having minimum production capacity of 1 million tonne of crude steel per year and having completed commercial operation for at least two years. The plants may operate either through the conventional route of Coke Oven-Blast Furnace-Steel Making-Casting and Rolling & Finishing Mills or through route of Direct Reduced Iron (DRI)/Hot briquetting Iron (HBI)/ (with or without Blast Furnace), Electric Arc Furnace (EAF) Steel Making-Casting and Rolling & Finishing Mills or the route of COREX Furnace (with or without Blast Furnace)- Basic Oxygen Furnace (BOF) Steel Making - Casting and Rolling & Finishing Mills.

2.2 The evaluation will be made in terms of the predetermined Scheme (amended from time to time) annexed with this Resolution.

2.3 However, the Panel of Judges may also take into consideration the suggestions received from different steel plants or Panel of Judges of the previous years, from time to time with respect to the scheme as deemed fit.

2.4 The Panel of Judges will select and recommend two steel plants one for award of the Prime Minister's Trophy with Cash Award of Rs. Two crores and one for runners up PM's Trophy as Steel Minister's Trophy with cash award of one crore for excellence in performance for the year 2006-07.

### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

UDAI PRATAP SINGH  
Joint Secy.

## ANNEXURE-I

**SCHEME FOR AWARD OF  
PRIME MINISTER'S TROPHY FOR EXCELLENCE  
IN PERFORMANCE OF INTEGRATED STEEL PLANTS**

(As amended upto July, 2008)

**1.0 GENESIS**

Consequent upon the announcement made by former Prime Minister, Late Sh. P.V. Narsimha Rao, while dedicating Visakhapatnam Steel Plant of Rashtriya Ispat Nigam Ltd. to the nation on 1.08.1992, Govt. have decided to present one award known as Prime Minister's Trophy with a cash award of Rs. 1 crore and a citation each year to the best performing integrated steel plant to generate a sense of competition and to improve upon performance of the integrated steel plants in the country.

- 1.1 The Govt. of India has enhanced the cash award from Rs. 1.0 crore to Rs. 2.0 crores for the best performing integrated steel plant from the assessment year 2006-07. Any steel plant that wins the PM's Trophy for two consecutive years, will not be given the trophy and the cash award in third year. The trophy and the cash award will be given to the next best steel plant and a Certificate of Excellence will be given to the best steel plant who gets the maximum marks.
- 1.2 Runners up Prime Minister's Trophy in the name of Steel Minister's Trophy with a cash award of Rs. 1 crore has been incorporated from the assessment year 2006-07 in the Prime Minister Trophy Scheme. The Steel Minister's Trophy and cash award of Rs. 1 crore would be given to the steel plant who ranks second in the overall performance. In case the second best steel plant gets the PM's Trophy and the cash award of Rs. 2 crore as per para 1.1 above, the Steel Minister's Trophy & cash award of Rs. 1 crore will go to the 3<sup>rd</sup> best steel plant.

**2.0 OBJECTIVES**

The objectives of instituting these awards for the integrated steel plants is to give recognition to outstanding performance in the vital sector of the national economy which draws heavily on national resources of capital and skilled manpower. The awards are intended to spur these major iron & steel producers to achieve international standards of efficiency, quality and economy in their operations.

**3.0 ELIGIBILITY**

All integrated steel plants in India starting operation from virgin iron units in one location, having minimum production capacity of one million tonne of crude steel per year and having completed commercial operation for at least two years are eligible to participate. The plants may operate through the conventional route of Coke Oven-blast Furnace (BF) – Steel Making and Finishing Mills or through Direct Reduction Iron (DRI)/ Hot Briquetted Iron (HBI) (with/without Blast Furnace)-Electric Arc Furnace (EAF) Steel Making and Finishing Mills or through COREX Furnace(with/without Blast Furnace) – Basic Oxygen Furnace (BOF)- Steel Making and Finishing Mills.

**4.0 SCHEME**

- 4.1 The details of the scheme and the set of criteria for evaluating the performance of the integrated steel plants had initially been worked out by the expert committee constituted by Govt. of India, Ministry of Steel. The criteria and the benchmarking of the same has been further elaborated by the Panel of Judges for Prime Minister's Trophy for different years and other Expert Committee(s) constituted from time to time. The criteria for evaluation of the performance of integrated steel plants now take care of the present day business environment.



- 4.2 As per the recommendations of the Expert Committee and amendments carried out by the Government of India, 12 main parameters have been evolved for evaluating the performance of the integrated steel plants. These are given below:-

- Saleable steel capacity utilization
- Efficiency of operations
- Financial performance
- Export performance
- Quality of products
- Environment management
- Corporate Social Responsibility
- Safety
- Thrust on R&D
- Customer satisfactory
- Enabling parameters
- Observation of the Panel of Judges based on plant visits

- 4.3 The evaluation will be carried out by a Panel of Judges comprising of the following:-

- |  |                  |
|--|------------------|
| - Secretary to the Government of India,<br>Ministry of Steel       | Chairman         |
| - Expert(s) on Iron & Steel Industry                               | Member           |
| - Representative(s) of the customers                               | Member           |
| - Management Expert(s)   | Member           |
| - Economist(s)   | Member           |
| - Joint Secretary to the Government of India,<br>Ministry of Steel | Member Secretary |

- 4.3.1 More members of the Panel of Judges should be drawn from among former heads of Public & Private sector companies, Engineering Units, Indian Institute of Management and other reputed Management Institutes, Indian Institute of Technology, economists etc.

- 4.3.2 A nominee of recognized trade union shall also be inducted as a member of Panel of Judges, who will be appointed by Steel Minister (In-charge) of Prime Minister's Trophy, as per Govt. guidelines in vogue.

- 4.4. Customer satisfactory survey and assessment of enabling parameters will be done by independent expert agencies and trained assessors.

- 4.5 The customer satisfaction survey should be concurrent with the visits of the Panel of Judges and the assessment of the enabling parameters should be made available to the Panel of Judges before their visits to the plants.

**4.6** The agency undertaking the study of enabling parameters will make an appraisal in respect of each of the criteria and will provide professional assistance to the Panel of Judges to award marks for enabling parameters (out of 20).

**4.7** Corporate Quality Division of Steel Authority of India Ltd., New Delhi will function as PM's Trophy Secretariat (Ministry of Steel) and provide the secretarial services and general assistance to the Panel of Judges. The representatives of participating Steel Plants will also assist the Secretariat. The participating steel plants will share the cost incurred by the Secretariat towards the process of evaluation in the ratio of their rated crude steel production capacity. The cost of the visits to the plants by the Panel of Judges will be borne fully by the concerned plants. The cost of visit to Delhi by the Panel of Judges will, however, be borne by the Secretariat.

**4.8** The task of the Secretariat shall be coordinated with the Panel of Judges through the Member Secretary. It will give wide publicity and evolve a format for collection of information from the competing plants. The Secretariat, in consultation with the Member Secretary, will prepare and summarize the total background information in the required format for submission to the Panel of Judges. It will also provide general assistance to the Panel of Judges and organise the award distribution function(s) in coordination with the concerned plant(s).

**4.9** The venue of the Award function will be the location of the plant winning the award for the particular year unless otherwise decided by the Government of India.

**4.10** The award is an annual feature, but a minimum cut off limit of 60% is recommended. If no plant scores more than the minimum cut off limit in any particular year, the award may be skipped for that year.

## **5.0 PARAMETERS FOR EVALUATION**

**Weightage (%)**

### **5.1 SALEABLE STEEL CAPACITY UTILIZATION(SUB-TOTAL 2)**

**2**

The rated / nameplate saleable steel capacity is to be adopted for evaluation of individual steel plants. The capacity will be taken as per Detailed Project Report (DPR) where DPR has been made by consultants. In case, the DPR has not been received, the production level envisaged at the time of financial appraisal/closure of project and approved by company's Board may be adopted as capacity. Where facilities for increase in capacity are being progressively commissioned and the full capacity is not available throughout the year, the capacity available during the year is to be calculated on prorata basis without allowance for gestation period and basis of calculation to be shown separately. Production from assets not capitalized to be excluded, maintaining consistency with financial information. If certain facilities have been phased out on a

permanent basis, the same is to be deducted from DPR capacity and details of phasing out may be given.

Production is to be suitably adjusted for semi-finished products, if they are more than envisaged in the DPR / Board approval.

## 5.2 EFFICIENCY OF OPERATIONS (SUB-TOTAL 16)

- i) **Carbon rate in Blast Furnaces or COREX Furnaces (Kg/t of Hot Metal), Heat input (G.Cal/t) of DRI or HBI** **2**

- (a) Carbon rate in Blast Furnaces may be worked out as follows :-

Actual skip coke charged in the blast furnace x average fixed carbon fraction of the BF Coke. Fixed carbon is defined as "100 minus % ash in coke on dry basis".

Nut coke charged into the blast furnaces along with sinter should be considered at 100% replacement ratio with BF coke.

For auxiliary fuels like coal dust, coal tar etc. the carbon rate is to be worked out as follows:

Equivalent Coke rate = Auxiliary Fuel / tonne of Hot metal x Replacement ratio.

Carbon rate (Auxiliary Fuels) = Equivalent Coke rate x Average Fixed carbon of BF coke.

**Benchmark** for carbon rate in Blast Furnaces : 450 kg/tonne

- (b) Carbon rate in COREX Furnaces may be worked out as follows:

Carbon rate in COREX Furnace = total coal rate in COREX Furnace X average fixed carbon fraction in non-coking coal. Average fixed carbon in non-coking coal is defined as 100 minus % ash in non-coking coal on dry basis. Thus, equivalent coal rate = coke consumption in reduction shaft per tonne of hot metal X replacement ratio.

**Benchmark** for carbon rate in COREX Furnaces : 575 kg/tonne.

- (c) **Benchmark** for Fuel Rate for HBI / DRI plants: 2.5 G.cal/tonne

- ii) **Blast Furnace, COREX Furnace, HBI or DRI Furnace productivity (t/m<sup>3</sup>/day)** **3**

- (a) BF, HBI or DRI furnace productivity is evaluated as Hot metal, HBI or DRI production per cubic metre of working volume of furnace per available

day. Working volume for blast furnace is defined as the volume of the furnace contained between centre line of the tuyers and normal stock line/Big bell in open position. Available days are calculated as the difference of calendar days and duration of capital repair. However, normal maintenance time should not be added to the capital repairs time.

**Benchmark** for blast furnace productivity :  $2.39 \text{ t/m}^3 / \text{available day}$ .

**Benchmark** for HBI / DRI furnace productivity:  $9 \text{ t/m}^3 / \text{available day}$ .

**(b) COREX Furnace Productivity**

COREX Furnace productivity is evaluated as tonnes of hot metal produced per hour on yearly average basis. That is, COREX Furnace productivity is = annual production in tonne ÷ annual operating hours. Annual operating hours are estimated as the difference of calendar hours and the duration of capital repair and actual planned shut down days of the COREX – Furnace units, not exceeding 12 days per furnace per year. However, normal maintenance time should not be added to the capital repair time.

**Benchmark** for COREX furnace productivity :  $100 \text{ t/m}^3 / \text{available day}$ .

**(iii) Steel Furnace (BOF/EAF) Productivity (Number of heats made/ available converter / year)** **2**

Number of heats made / available converter / year. = total number of heats in a year ÷ number of installed converters x converter availability.

Number of heats = number of heats tapped from BOF/EAF in the given financial year.

Converter availability = Calendar hours – planned shut down for campaign repairs – Durations of Tap Hole Making & lance changing. – Maintenance delays.

**(iv) Overall Specific Energy Consumption**

**6**

The calculation of overall specific energy consumption (G.cal/t of crude steel) should be based on IISI methodology.

The scale of evaluation for steel plants based on three different routes i.e. HBI or DRI & EAF route, COREX-BOF route, BF-BOF route will be different from each other.

**Benchmark** for specific energy consumption per tonne of crude steel for

a) BF-BOF route and COREX- BOF route based plants : 5.92 G.Cal/tcs and

b) HBI / DRI-EAF based plants : 5.0 G.Cal/tcs.

**(v) Labour productivity****3**

Calculated in terms of crude steel production per man year. Pig Iron, HBI or DRI produced for sale will be given credit with an equivalent factor of 50% and Manpower will be reckoned in terms of works strength. Works manpower to be calculated after **excluding** non works departments like administration, marketing, finance, township, construction units, mines etc. but including production services like production planning and control etc. Besides, the manpower of **centralized** units of steel plants like centralized maintenance department, captive engineering shops, refractory plants etc which are not directly linked to production may be excluded for calculating labour productivity.

The scale of evaluation for steel plants based on three different routes i.e. HBI or DRI & EAF route, COREX-BOF route, BF-BOF route will be different from each other.

If in any steel plant normal operation and maintenance is got done by outside contractors, the Panel of Judges will get input of such labour evaluated and add it to the regular man power reported by the plant.

**5.3 FINANCIAL PERFORMANCE (SUB-TOTAL 9)**

Figures to be audited and certified by a practising Chartered accountant, not being an employees of the company and consistent with the published accounts.

**i) Gross Margin/ Turnover Ratio****4**

Gross Margin is defined as profit before interest and depreciation. Turnover should be given for Iron & Steel products, including by-products arising out of the process of manufacture of Iron & Steel products. However, sale of products like CAN, Ferro Alloys, Raw materials\*, bearings, Agrico products etc. will not be included. It should also exclude sales income derived from trading of products not manufactured by the plant.

Gross margin also relates to Iron & Steel products only as described above. Interest/Dividend income on investments is not to be considered. Inter plant transfers within the company and internal consumption are not to be considered. No policy profit / loss is to be considered.

\*Raw materials and other arisings from normal manufacture of Iron & Steel, however, will be included.

**ii) Gross margin / Average capital employed****2**

Gross margin is the same as defined in item i) above. Average Capital employed to include net fixed assets and working capital.

<b>iii)</b>	<b>Turnover / Inventory ratio</b>	<b>2</b>
-------------	-----------------------------------	----------

Turnover is the same as defined in item i) above. Inventory to include average finished and semi finished stock and should also include inventories of other materials like raw materials, stores and spares etc. The amount of sundry debtors should also be added to the inventories.

<b>(iv)</b>	<b>Expenditure capitalized over Gross Block</b>	<b>1</b>
-------------	---	----------

#### **5.4 EXPORT PERFORMANCE (SUB-TOTAL 2)**

<b>i)</b>	<b>Export Value Ratio</b>	<b>2</b>
-----------	---------------------------	----------

Defined as a ratio of the foreign exchange earned and total turnover. Foreign exchange realisation to be given on F.O.B. basis. Turnover to be defined as given under financial performance.

#### **5.5 QUALITY OF PRODUCTS (SUB-TOTAL 4)**

<b>i)</b>	<b>Special Grades Production</b>	<b>2</b>
-----------	----------------------------------	----------

To be evaluated as % of saleable steel production in special grades. Only the following categories of steels will qualify to be considered as special steels :-

- a) Steel grades with carbon content below 0.04% and above 0.4%.
- b) Steels produced using secondary refining technologies such as VAD, VOD, RH or RHOB.
- c) Steel grades with low H, O, N and Si.
- d) Added alloys like Cr, Mo, Ni to impart better strength, impact toughness, creep or corrosion resistance.
- e) Phase transformed grades containing hard phase (Bainite/martensite).
- f) Interstitial free steels.
- g) Thinner gauge Cold Rolled steel below 0.4 mm thickness.
- h) Any other category of steel with value more than 20% compared to similar category product.

<b>ii)</b>	<b>New Products Developed</b>	<b>2</b>
------------	-------------------------------	----------

To be evaluated in terms of tonnage of new products as percentage of saleable steel production. Products being produced for the first time in the plant will be considered as new products. A citation on new products must be accompanied by a note on the developmental efforts and distinctive feature. The Panel of Judges will take a final view.

**5.6 CUSTOMER SATISFACTION (SUB-TOTAL 15)****(i) Process responsible for Marketing and customer Satisfaction 5**  
**(Evaluation of the Panel of Judges)**

Evaluation of the process responsible for marketing and customer satisfaction to be evaluated by the Panel of Judges on the basis of answers to the following questions:

- How does the plant determine the customer groups and/or market segments?
- How does the plant determine the requirements of the customer groups or market segments?
- How are the information from existing/potential customers and complaints used in determining the customer requirements?
- How does the plant translate the customer requirements into new product and/or service design?
- How does the plant evaluate and improve its process of listening to and learning from different customer groups?
- How does the plant provide access to the customers to seek assistance and voice complaints?
- How does the plant seek prompt and actionable feed back from customers?
- How does the plant build relationships, loyalty and positive referral with its customers?

**(ii) Customer Satisfaction Survey [By an Independent expert agency] 10**

A survey of the customers of different plants to be done by an independent market research agency to include factors like price, timely delivery, technical specifications, availability of materials, commercial terms, stock yard facilities, billing and accounts process, behaviour of personnel, attending to the customer complaints, after sales service, pre-sales contact, packaging etc. Weight-age for these factors to be determined in discussion with the Panel of Judges.

**5.7 ENVIRONMENT MANAGEMENT (SUB-TOTAL 7)****(i) Air pollution 1**  
To be evaluated as percentage of stacks meeting CPCB norms on suspended particulate matter.**(ii) Water pollution 1**  
To be evaluated as specific pollution load per tonne of crude steel.**(iii) Solid waste Utilisation 3**

To be evaluated as percentage of solid wastes utilised/recycled/sold.

<b>(iv) Water Consumption</b>	<b>2</b>
Make up water consumption in the works per tonne of crude steel.	
<b>5.8 Corporate Social Responsibility (Sub-Total 4)</b>	
<b>Expenditure on CSR as % of Distributable Profit</b>	<b>4</b>
<b>5.9 Safety (Sub-Total 3)</b>	
<b>(i) Frequency rate—number of reportable accidents per million man hours.</b>	<b>1</b>
<b>(ii) Severity rate – man days lost per million man hours.</b>	<b>1</b>
<b>(iii) Fatal accidents (Nos)</b>	<b>1</b>
<b>5.10 Thrust on Research &amp; Development (R&amp;D) (Sub-Total 3)</b>	
<b>(i) Expenditure on R&amp;D as a % of Turnover</b>	<b>2</b>
<b>(ii) No. of IPRs</b>	<b>1</b>
<b>5.11 ENABLING PARAMETERS (SUB-TOTAL 20) ✓</b>	
<b>(i) Leadership</b>	<b>4</b>
<b>(ii) Policy &amp; Strategy</b>	<b>3</b>
<b>(iii) Resource Management</b>	<b>3</b>
<b>(iv) People Management</b>	<b>4</b>
<b>(v) Process Management</b>	<b>6</b>

Assessment to be done by a team of trained assessors. The broad guidelines for assessment and its supplements are given at **Annexure-i & Annexure-ii** respectively.

## **5.12 OBSERVATIONS OF THE PANEL OF JUDGES BASED ON PLANT VISITS**

**15**

The Panel of Judges will undertake plant visit to each plant for a minimum period of two days for evaluation of the specified parameters and such other parameters which the Panel of Judges may deem fit.

Based on their observations during Plant visits on various factors like House keeping, Environment management and afforestation, Peripheral and ancillary development, safety training and efforts made to avoid fatal accidents, industrial relations, equipment health, workers' and supervisors' participation in management through small group activities like Suggestion Schemes and Quality Circles, Research and Development efforts, Management Leadership and motivation and their impression about the operation of the steel plant to achieve international standards of efficiency, quality and economy.



The Panel of Judges will particularly look into the following aspects:-

- i) The efforts done by the steel plants towards corporate social responsibility in terms of direct action (i.e. amount spent directly vs. profits) or indirect action (promotion through NGOs) etc.
- ii) The efforts done by the steel plants for development of surrounding population particularly tribal population (if there is any)
- iii) The efforts done by the steel plants to reduce the cost of conversion as to lead to reduced cost of steel for the consumers.

## 6.0 SCALE OF EVALUATION

The evaluation shall be done on a scale of 1 to 5 by linear method.

### Score:

- (i) For parameter value below and upto the minimum (worst value)= 1
- (ii) For parameter value between "worst value" and "best value" = between 1-5, using a straight line.
- (iii) For Parameter values above the "best value" =5 rounded off to first decimal.

The "best values" and "worst values" for each of the parameters for objective evaluation are given at **Annexure-iii**.

## 7.0 UTILIZATION OF AWARD MONEY

**7.1** The plant management of the award winning plants will spend the money to enhance the quality of life of the work force in the following areas, depending upon the need of the plant concerned :

- a) Improvement in the area of occupational health of the employees including hospital facilities,
- b) A small portion (say up to 10%) may be allotted to the best department for organization of welfare programmes for the employees.
- c) A substantial portion of the money can be kept in Fixed Deposit, the returns of which may be utilized for awarding merit-cum-means scholarships to the children of the employees for pursuit of education and training.
- d) Up-gradation of community centres in the Township.
- e) Up-gradation of facilities for sports and cultural activities in the township.
- f) Financial help for rehabilitation of employees disabled due to accidents in work place.
- g) Setting up / extension / addition / modification of educational / practical training centres for the dependents of the employees.

- h)** Educational / practical training programmes for women / scheduled caste / scheduled tribe or other weaker sections of the employees; and
- i)** Assistance to educational / training centres / health and sanitation programmes, water supply programmes etc for people living in the periphery of the plant.

**7.2** The fund will be administered by a Joint Committee consisting of representatives of the Management of steel plant, the recognized unions and the officers' Association.

**7.3** The audit cover provided to the funds of steel plant would also be audited the above mentioned funds.

## **8.0 SCHEDULE**

Time frame of the assessment and award process: -

<b>Activity</b>	<b>Time Frame</b>
• Appointment of assessors and Assessment of enabling parameters	April-August
• Appointment of Panel of Judges	August
• Invitation of application for Trophy	August
• Plant visit of Panel of Judges	October – December
• Final report of the Panel of Judges	28 <sup>th</sup> February

Annexure-I**RECOMMENDED GUIDELINES FOR ASSESSMENT OF ENABLING PARAMETERS****Criterion 1: Leadership****Definition**

How leaders develop and facilitate the achievement of the mission and vision, develop values required for long term success and implement these with appropriate actions and behaviors, and are personally involved in ensuring that the organization's management system is developed and implemented.

**Sub-criteria**

Leadership covers the following sub- criteria that should be addressed.

**1(a).** Leaders are personally involved in ensuring the organization's management system is developed, implemented and continuously improved.

This may include :

- Aligning the organization's structure to support delivery of its policy and strategy;
- Ensuring a system for management processes is developed and implemented;
- Ensuring a process for the development, deployment and updating of policy and strategy is developed and implemented;
- Ensuring a process for the measurement, review and improvement of key results is developed and implemented;
- Ensuring a process, or processes, for stimulating, identifying planning and implementing improvements to enabling approaches, e.g. through creativity innovation and learning activities, is developed and implemented.

**1(b).** Leaders are involved with customers, partners and representatives of society

This may include :

- Meeting, understanding and responding to needs and expectations;
- Establishing and participating in partnership;
- Establishing and participating in joint improvement activity;
- Recognizing individuals and teams of stakeholders for their contribution to the business, for loyalty etc;
- Participating in professional bodies, conferences and seminars, particularly promoting and supporting Excellence;
- Supporting and engaging in activities that aim to improve the environment and the organization's contribution to society.

**1(c).** Leaders motivate, support and recognize the organization's people.

This may include :

- Personally communicating the organization's mission, vision, values, policy and strategy, plans, objectives and targets to people;
- Being accessible, actively listening and responding to people;
- Helping and supporting people to achieve their plans, objectives and targets;
- Encouraging and enabling people to participate in improvement activity;
- Recognizing both team and individual efforts, at all levels within the organization, in a timely and appropriate manner.

## **Criterion 2: Policy and Strategy**

### **Definitions**

How the organization implements its mission and vision via a clear stakeholder focussed strategy. Supported by relevant policies, plans, objectives, targets and processes.

### **Sub-Criteria**

Policy and strategy over the following give sub- criteria that should be addressed.

**2(a).** Policy and strategy are based on the present and future needs and expectations of stakeholders.

This may include :

- Gathering and understanding information to define the market and market segment the organization will operate in both now and in the future;
- Understanding and anticipating the needs and expectations of customers, employees, partners, society and shareholders, as appropriate;
- Understanding and anticipating development in the market place, including competitor activity.

**2(b).** Policy and strategy are based on information from performance measurement, research learning and creativity related activities and are deployed through a framework of key processes:

This may include :

- Collecting and understanding output from internal performance indicators;
- Collecting and understanding the output from learning activities;
- Analysing the performance of competitors and best in class organizations;
- Understanding social, environmental and legal issues;
- Identifying and understanding economic and demographic indicators;
- Understanding the impact of new technologies;
- Analyzing and using stakeholders' ideas.

- Identifying and designing the framework of key processes needed to deliver the organization's policy and strategy;
- Establishing clear ownership of the key processes;
- Defining the key processes including the identification of stakeholders;
- Reviewing the effectiveness of the framework of key processes to deliver policy and strategy.

**2(c). Policy and strategy are communicated and implemented.**

This may include :

- Communication and cascading policy and strategy, as appropriate;
- Using policy and strategy as the basis for planning of activities and the setting of objectives and targets throughout the organization;
- Aligning, prioritizing, agreeing and communicating plans, objectives and targets;
- Evaluating the awareness of policy and strategy.

**Criterion 3: People**

**Definition**

How the organization manages, develops and releases and knowledge and full potential of its people at an individual, team based and organization wide level, and plans these activities in order to support its policy and strategy and the effective operation of its processes.

**Sub- criteria**

People cover the following sub- criteria that should be addressed,

**3(a). People's knowledge and competencies are identified, developed and sustained.**

This may include:

- Identifying classifying and matching people's knowledge and competencies with the organization's needs;
- Developing and using training and development plans to help ensure people match the present and future capability needs of the organizations;
- Designing and promoting individuals, team and organizational learning opportunities;
- Developing people through work experience;
- Developing team skills;
- Aligning individual and team objectives with the organization's targets;
- Reviewing and updating individual and team objectives;
- Appraising and helping people improve their performance.

**3(b). People are involved and empowered.**

This may include :

- Encouraging and supporting individual and team participation in improvement activities;
- Encouraging and supporting people's involvement through in-house conferences and ceremonies;
- Providing opportunities which stimulate involvement and support innovative and creative behaviour;
- Empowering people to take action;
- Encouraging people to work together in teams.

**3(c). People and the organization have a dialogue.**

This may include :

- Identifying communication needs;
- Developing communication policies, strategies and plans based on communication needs;
- Developing and using top down, bottom up and horizontal communication channels;
- Sharing best practice and knowledge.

**3(d). People are rewarded, recognized and cared for**

This may include :

- Aligning remuneration, redeployment, redundancy and other terms of employment with policy and strategy;
- Recognizing people in order to sustain their involvement and empowerment;
- Promoting awareness and involvement in health, safety the environment and issues on social responsibility;
- Setting the levels of benefits e.g. pension plan, health care, child care;
- Promoting social and cultural activities;
- Providing facilities and services, e.g. flexible hours, transport.

**Criterion 4: Partnerships and Resources****Definition**

How the organization plans and manages its external partnerships and internal resources in order to support its policy and strategy and the effective operation of its processes.

**Sub – Criteria**

Partnerships and resources cover the following sub-criteria that should be addressed

**4(a). External partnerships are managed.**

This may include :

- Identifying key partners and strategic partnership opportunities in line with policy and strategy;
- Structuring partnership relationships to create and maximize value;
- Forming value adding supply chain partnerships;
- Identifying and evaluating alternative and emerging technologies in the light of policy and strategy and their impact on business and the society;
- Managing the technology portfolio;
- Exploiting existing technology;
- Innovating technology;
- Harnessing technology to support improvement;
- Identifying and replacing 'old' technologies.

**4(b) Technology is managed.**

This may include:

- Identifying and evaluating alternative and emerging technologies in the light of policy and strategy and their impact on business and the society;
- Managing the technology portfolio;
- Exploiting existing technology;
- Innovating technology;
- Harnessing technology to support improvement;
- Identifying and replacing old technologies.

**4(c). Information and knowledge are managed.**

This may include :

- Collecting, structuring and managing information and knowledge in support of policy and strategy;
- Providing appropriate access, for both internal and external users, to relevant information and knowledge;
- Assuring and improving information validity, integrity and security;
- Cultivating, developing and protecting unique intellectual property in order to maximize customer value;
- Seeking to acquire, increase and use knowledge effectively;
- Generating innovative and creative thinking within the organization through the use of relevant information and knowledge resources.

**Criterion 5: Processes.****Definition**

How the organization designs, manages and improves its processes in order to support its policy and strategy and fully satisfy, and generate increasing value for its customers and other stakeholders.

**Sub- criteria**

Processes cover the following sub- criteria that should be addressed :

**5(a). Processes are systematically designed and managed.**

This may include :

- Designing the organization's processes, including those key processes needed to deliver policy and strategy;
- Establishing the process management system to be used;
- Applying systems standards covering for example, quality systems such as ISO 9000, environmental systems, occupational health and safety systems in process management;
- Implementing process measures and setting performance targets;
- Resolving interface issues inside the organization and with external partners for the effective management of end-to-end processes.

**5(b). Processes are improved, as needed using innovation in order to fully satisfy and generate increasing value for customer and other stakeholders.**

This may include :

- Identifying and prioritising opportunities for improvement, and other changes, both incremental and breakthrough;
- Using performance and perception results and information from learning activities to set priorities and targets for improvement and improved methods of operation;
- Stimulating and bringing to bear the creative and innovative talents of employees, customers and partners in incremental and breakthrough improvements;
- Discovering and using new process designs, operating philosophies and enabling technologies;
- Establishing appropriate methods, for implementing change;
- Piloting and controlling the implementation of new or changed processes;
- Communicating process changes to all appropriate stakeholders;
- Ensuring people are trained to operate new or changed processes prior to implementation;
- Ensuring process changes achieve predicated results.

**5(c). Products and services are designed and developed based on the customer needs and expectations.**

This may include :

- Using market research, customer surveys and other forms of feedback to determine customer needs and expectations for products and services both now and in the future and their perceptions of existing products and services;



- Anticipating and identifying improvements aimed at enhancing products and services in line with customers' future needs and expectations;
- Designing and developing new products and services to address the needs and expectations of customers;
- Using creativity and innovation to develop competitive products and services;
- Generating new products with partners.

**5(d). Products and Services are produced, delivered and serviced.**

This may include :

- Producing or acquiring products and services in line with designs and developments;
- Communicating, marketing and selling products and services to existing and potential customers;
- Delivering products and services to customers;
- Servicing products and services where appropriate.

**5(e). Customer relationships are managed and enhanced.**

This may include :

- Determining and meeting customers day to day contact requirements;
- Handling feedback received from day to day contacts including complaints;
- Proactive involvement with customers in order to discuss and address their needs expectations and concerns;
- Following up on sales, servicing and other contacts in order to determine levels of satisfaction with products, services and other customer sales and servicing processes;
- Seeking to maintain creativity and innovation in the customer sales and servicing relationship;
- Using regular surveys, other forms of structured data gathering and data gathered during day to day customer contacts in order to determine and enhance customer relationship satisfaction levels.

Annexure-II**SUPPLEMENTS TO THE GUIDELINES FOR ASSESSMENT OF ENABLING PARAMETERS.****a) Data Collection**

Data will be collected through a questionnaire. Each of the questions will relate to a select area of address covered in one of the sub- criteria mentioned under enabling parameters under Annexure I. Responding organization is required to answer the question with necessary supporting evidences. An answer should include quantitative or qualitative or both kinds of data.

Those data to be furnished may relate to process or output aspects of each of the enabling criteria / sub-criteria.

**b) Evaluation**

Response on each of the questions will be evaluated based on the process maturity model. The evaluation will follow a graded ranking method where markings will be made in two stages - course and final ones.

**c) Illustrations**

(Criteria, sub-criteria and areas to address mentioned below are quoted from Annexure I, Recommended Guidelines).

**Example I**

Criteria - Leadership  
Sub-criteria - Leaders develop the mission, vision and values and are role models of a culture of Excellence.

Areas to address : Developing and organization's mission and vision.

**Questions :**

- a) Please state the vision for the enterprise.
- b) How have you arrived at the vision?
- c) How do you ensure the continuing relevance of the above vision?

**Example II**

Criteria - Leadership  
Sub-criteria - Leaders are involved with customers, partners and representatives of society.  
Area of address - Supporting and engaging in activities that aim to improve the environment and the organization's contribution to society.

**Questions :**

- a) What is your organization policy for corporate social responsibility?
- b) What are the institutional set ups for delivery of the intended responsibility ?
- c) What is the nature of activities undertaken especially with identified criteria?

**Example III**

- Criteria** - Partnerships and resources
- Sub-criteria** - Building, equipment and materials are managed.
- Area of address** - Managing and maintenance and utilization of assets to improve total asset life cycle performance.
- Sub- Area** - Facility maintenance planning and control.

**Questions**

- a) Describe your maintenance policy.
- b) Describe the process of maintenance planning and control.
- c) Describe the process of improving maintenance practices.

**d) Timing :**

Questionnaire is now under preparation. The final questionnaire will be sent to each of the responding organizations in due course of time.

---

**Annexure-ii]**

**THE BEST AND WORST VALUES OF OBJECTIVE PARAMETERS FOR AWARDING SCORES IN A FIVE POINT SCALE BY LINEAR METHOD.**

Sl. No.	Parameter	Unit of Measurement	Best Value	Worst Value
1.0	Capacity Utilization	%	120.0	90
2.0	Efficiency of Operation			
2.1	Carbon rate			
a)	Carbon rate in Blast Furnaces	Kg/thm	450	500
b)	Carbon rate in Corex Furnaces	Kg/thm	575	675
c)	Fuel rate in HBI / DRI Kilns	G. Cal/t	2.5	3.0
2.2	Blast Furnace, Corex Furnace, HBI or DRI Kiln Productivity			
a)	Blast Furnace Productivity	t/m <sup>3</sup> /day	2.39	1.0
b)	Corex Furnace Productivity	t/hr	100	90
c)	DRI Kiln Productivity	t/day/m <sup>3</sup>	9.0	8.0
2.3	Steel Making Furnace Productivity	Heats / Converter/ year		
a)	Basic Oxygen Furnace (BOF)		10000	4000
b)	Electric Arc Furnace (EAF)		6000	3500
2.4	Overall specific energy consumption			
a)	Energy Consumption (BF / Corex + BOF Plants)	G. Cal / tcs	5.91	9.0
b)	Energy Consumption (HBI/ DRI+ EAF Plants)	G. Cal / tcs	5.0	6
2.5	Labour productivity			
a)	Labour Productivity (BF+BOF Plants)	t/man/year	280	100
b)	Labour Productivity (Corex + BOF Plants)	t/man/year	480	250
c)	Labour Productivity (HBI + EAF Plants)	t/man/year	1800*	800

3.0	Financial Performance			
a)	Gross Margin/Turnover Ratio	Ratio	30.0%	10.0%
b)	Gross Margin / Capital Employed	Ratio	90.0%	20.0%
c)	Turnover / Inventory Ratio	Ratio	12	5
d)	Expenditure Capitalized over gross value	Ratio	10%	5%
4.0	Export Performance			
a)	Export Value Ratio	Ratio	40.0%	5.0%
5.0	Quality of Products			
a)	Special Steel Production	%	70.0	20.0
c)	New Products Developed	Nos.	10	2
6.0	Environment Management			
a)	Air Pollution	% of Stacks in Norms	100	95
b)	Water Pollution	Kg/tcs	0.1	1.99
c)	Solid Waste Utilization	%	90.0	30.0
d)	Specific Water Consumption	m <sup>3</sup> /tcs	2	8
7.0	Corporate Social Responsibility			
a)	Expenditure on CSR as % of Distributable Profit	%	1.5	0.5
8.0	Safety (including contract labour)			
a)	Frequency Rate	$\frac{\text{Nos. of reportable accidents} \times 10^6}{\text{Man hours worked}}$	0.5	4.0
b)	Severity Rate	$\frac{\text{No. of man days lost} \times 10^6}{\text{Man hours worked}}$	0	2000
c)	Fatal Accidents	No. of Fatal Accidents	0	0
9.0	Thrust on R&D			
a)	R&D expenditure	As a % of Turnover	0.2	0
b)	IPR	Nos.	5	1

\* To be reviewed in consultation with Panel of Judges.

**APPLICATION FORM FOR AWARD OF  
PRIME MINISTER'S TROPHY FOR EXCELLENCE  
IN PERFORMANCE OF INTEGRATED STEEL PLANT  
(2006-07)**

**ASSESSMENT OF ENABLING PARAMETERS**

**A. ABOUT THE ORGANISATION**

<b>A1. Name of the Plant:</b>		
<b>A2. Address for Correspondence:</b>		
<b>A3. Name and Designation of Head of the Plant:</b>		
<b>A4. Contact details of Nodal Officer:</b>		
<b>Tel:</b>	<b>Fax:</b>	<b>E-Mail:</b>
<b>A5. Year of Establishment</b>		

## B BUSINESS OVERVIEW

B1. Give a brief overview of the plant, the technology, production process and the prevailing external scenario influencing the plant operations.

B2. Give a brief description about the organizational set up and the employees at the plant.

B3. What are the **main products** and services being offered, the market segments being catered to and the nature of the customers being served? Also specify the competitors for your main products and your **market share** in that segment in the following table:

Main Products	Key Segment	Key Competitors	Market Size	Market Share
1 Beam for rail tracks	Railways	ABC	1.8 Million Tonnes	75 %

B4. How does the plant compare with reference to other plants at the national and international level in terms of cost of production expressed in Rupees per ton at various stages of production such as coke, sinter, hot metal, liquid steel, hot rolled and cold rolled products?

**C1 LEADERSHIP**

**C1.1** How does the top management facilitate the process of development and achievement of vision, mission and values and align with the changing industry and market scenario?

Note: Elaborate how the leadership communicates and enliven?

**C1.2** How have been the plant level top management initiating, managing and sustaining various kinds of business improvement initiatives? Kindly mention five important initiatives undertaken during the year 2006-07.

Note: May describe five plant-wide improvement initiatives.

**C1.3** How does the plant level top management involve themselves in understanding the direct customer and user problems, needs and expectations and deal with them at the plant level?

**C1.4(a)** How does the business ethics and social responsibilities by the leadership across the organization.

**C1.4(b)** How does the plant level top management support and engage in discharging organizational social responsibilities beyond the statutory requirements?



**C2 POLICY AND STRATEGY**

**C2.1** How have you evolved strategic priority of the plant keeping in view of overall policy and strategy of the organization, manufacturing strategy, plant and product characteristics and target market?

Note:

- May consider how does the plant level top management prioritize the product-mix and the operating market for maximizing the revenue.
- May also consider how does the plant level top management exhibit their global outlook in strategy formulation.
- May describe how strategic risk management issues are addressed?
- May describe the initiatives planned-executed for long-term competitiveness such as merger, acquisition, forward/backward integration etc.

**C2.2** Describe the methodology of reviewing and updating policy and strategy at the plant level. Also describe how the plant evaluates the effectiveness of deployed policy and strategy at plant level. Give examples from the assessment year 2006-07 to substantiate the same.

**C2.3** How does the plant translate the policy and strategy into objectives/targets/matrices for department/division/process? How are the objectives/targets/matrices then deployed throughout the plant and monitored on a continual basis.

C3.1(a) How the competency gaps are identified across various levels of the organization and what is the process of bridging it?

C3.1(b) How the effectiveness of competencies development process is evaluated and improved upon.

C3.2 How does the plant level top management determine employee morale/motivation, satisfaction and well-being? Briefly describe methods, frequency and the specific factors used in this determination. Describe nature of the actions taken based on the feedback and corresponding improvement achieved. Give examples from the assessment year 2006-07.

C3.3(a) Describe the process of ensuring employee involvement and empowering them for improving their work environment.

C3.3(b) How does the plant level management reward and recognize the employees for their effective contribution to the organizational objectives?

C3.4 What are the different activities undertaken by the plant level top management to take care of the personal, social and cultural requirements of the employees? How are these activities identified and prioritized?

**C4 PARTNERSHIP AND RESOURCES**

**C4.1** Describe process of identifying and developing/adapting new technologies and equipments for enhancing the plant performance. Please give examples relevant to the assessment year 2006-07.

**C4.2** How does the plant capture customer's requirements and translate them into improvement initiatives? Describe the role of R&D in supporting such initiatives. Also describe the initiatives of R&D and the benefits realized during the assessment year 2006-07.

**Note:** May also mention roles of other agencies, which act as partner in such R&D efforts.

**C4.3(a)** How is IT resources being leveraged for achieving continual improvement in business performance?

**C4.3(b)** How does the plant capture & utilize its employee's experience, knowledge, know-edges, etc. for continual improvement in business performance?

**C4.4** What internal & external communication system is in place in the plant? What are the effectiveness of such systems? Give examples of initiatives taken during year 2006-07.

**C4.5** Do you have a documented supply chain strategy? What are the major initiatives to implement the policy? How do you evaluate & improve it?

**C4.6** Describe the process of identifying and prioritizing cost reduction areas. Also mention the initiatives, which were undertaken during the assessment year in the area of cost reduction. Indicate their impacts in terms of savings expressed as percentage of cost of production and give trends.

**C5 PROCESSES**

**C5.1** Describe how the implementation of different system level standards such as ISO 9000, ISO 14000, OHSAS 18000 etc. been used in the plant to strengthen the product and service delivery mechanism? Explain with examples from assessment year 2006-07.

**C5.2** How the plant identifies the product and process variability? What are the initiatives undertaken to improve them. Give examples from assessment year 2006-07.

**C5.3(a)** Describe the equipment maintenance policy. What are the different maintenance practices being followed in the plant? Give examples.

**C5.3(b)** Explain how the plant evaluates the effectiveness of maintenance performance? State the parameters used by the plant to evaluate the maintenance performance? Furnish data for the last three years on the parameters separately for each of the department such as Blast Furnace, steel melting, hot and cold rolling etc.

**Note:** e.g. some of the parameters can be related to maintenance cost, equipment availability, MTBF, production rate etc.

**C5.4(a)** Describe the customer order fulfillment process. How do you evaluate and improve upon the effectiveness of the process? Give examples from the assessment year about the improvement in delivery reliability.

**C5.4(b)** How have you leveraged the technology to provide real time accurate information to the customer? Also explain the process to ensure that if the customer enquiry is not resolved through the normal process, how is it resolved?

C5.4(c) How does the plant interact with external customers to receive the feedback and act on the same for corrective or improvement actions?

C5.5 What is the energy policy of your company? How is it aligned with the company's business policy in pursuit of excellence? How is it deployed, monitored and improved upon?

C5.6(a) What are the measures at the plant level to comply with and improve upon the safety requirements of the plant? Mention the impact of those measures over the last three years.

C5.6(b) What are the measures at the plant level to comply with and improve upon the health and environment requirements of the plant? Mention the impact of those measures over the last three years.